दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-15, अंक -128 जबलपुर, सोमवार 15 जून 2026 कीमत-1 रूपया पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

मुरैना में खजुराहो इंटरसिटी में आग की अफवाह पर कूदे यात्री

मोबाइल फटने की अफवाह से मची भगदड़, ट्रेन से कूदे यात्रियों को पातालकोट एक्सप्रेस ने रौंदा, मासूम समेत 6 की मौत

मुरैना. (आरएनएस) ।मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में रविवार को एक दर्दनाक रेल हादसे ने चार परिवारों की खुशियां छीन लीं. खजुराहो-उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में मोबाइल फटने के बाद आग लगने की अफवाह फैलने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई. जान बचाने के लिए कई यात्री ट्रेन से नीचे उतर गए और कुछ ने चलती ट्रेन से छलांग भी लगा दी. इसी दौरान दूसरी रेलवे लाइन पर पहुंचे यात्रियों को पातालकोट एक्सप्रेस ने अपनी चपेट में ले लिया, जिससे एक मासूम बच्चे सहित 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई.

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में हेतमपुर और घेर रेलवे स्टेशनों के बीच रविवार शाम को एक बेहद दर्दनाक और बड़ा रेल हादसा हो गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के डिब्बे में आग लगने की अफवाह फैल गई थी। इस अफवाह के बाद ट्रेन के भीतर यात्रियों में भारी घबराहट और अफरातफरी मच गई। अपनी जान बचाने के लिए यात्रियों ने तुरंत चेन पुलिंग खींचकर ट्रेन को बीच रास्ते में ही रोक दिया।

बोगी से उतरकर ट्रैक पर भागे और दूसरी ट्रेन के नीचे आ गए यात्री

जैसे ही ट्रेन रुकी, घबराए हुए कई यात्री कोच के दरवाजे खोलकर नीचे रेलवे ट्रैक पर कूद गए और पटरी पर भागने लगे। इसी दौरान, विपरीत दिशा (धौलपुर की ओर) से दूसरी लाइन पर तेज रफ्तार पातालकोट एक्सप्रेस वहां आ पहुंची। ट्रैक पर मौजूद यात्रियों को संभलने का मौका भी नहीं मिला और कई लोग इस दूसरी ट्रेन की चपेट में आ गए।

तीन महिलाओं और एक मासूम बच्चे समेत 6 की मौत

इस दर्दनाक हादसे में तीन महिलाओं और एक मासूम बच्चे समेत कुल छह लोगों की मौके पर ही मौत होने की दुखद खबर है। इसके अलावा कई अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन और स्थानीय पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं और राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। हालांकि, मृतकों और घायलों के सटीक आंकड़ों को लेकर अभी प्रशासन की तरफ से आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

ग्वालियर से मुरैना की ओर जा रही थी ट्रेन

मिली जानकारी के मुताबिक, उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस ग्वालियर से मुरैना की तरफ आगे बढ़ रही थी, तभी किसी यात्री ने डिब्बे में आग लगने की बात कह दी। इस एक गलत अफवाह के कारण पूरी बोगी में भगदड़ मच गई, जिसने अंत में एक बड़े और दर्दनाक हादसे का रूप ले लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि आखिर आग लगने की अफवाह किसने और क्यों फैलाई थी। जानकारी के अनुसार यह हादसा रविवार शाम मुरैना और राजस्थान के धौलपुर के बीच सरायछौला थाना क्षेत्र के हेतमपुर रेलवे स्टेशन के पास हुआ. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक खजुराहो-उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के एक जनरल कोच में किसी यात्री का मोबाइल फोन फट गया. इसके बाद ट्रेन में आग लगने की अफवाह तेजी से फैल गई. घबराए यात्रियों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और किसी ने अलार्म चेन पुलिंग कर ट्रेन को बीच सेक्शन में रोक दिया. ट्रेन रुकते ही कई यात्री बिना स्थिति की पुष्टि किए नीचे उतरने लगे. कुछ यात्री सुरक्षा की तलाश में पास की दूसरी रेलवे लाइन तक पहुंच गए. इसी दौरान आगरा की ओर से मुरैना जा रही फिरोजपुर-सिवनी पातालकोट एक्सप्रेस तेज गति से वहां पहुंच गई. ट्रेन की चपेट में आने से चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई. हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया और घटनास्थल पर चीख-पुकार सुनाई देने लगी.

मृतकों की पहचान आफरीन पत्नी नदीम खान (35) निवासी सुल्तानगंज की पुलिया, आगरा, उनके चार वर्षीय पुत्र असद खान, शकुंतला पत्नी भूरी सिंह परमार (60) निवासी रुनकता, आगरा तथा विरमा देवी पत्नी गिरधारी गिरी (60) निवासी गेसोरा, जिला बीकानेर, राजस्थान के रूप में हुई है. घटना के बाद मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

रेलवे अधिकारियों के अनुसार रविवार शाम करीब 4=15 बजे गाड़ी संख्या 19665 खजुराहो-उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के इंजन से दूसरे जनरल कोच में अलार्म चेन पुलिंग की गई थी, जिसके कारण ट्रेन हेतमपुर-धौलपुर रेलखंड के बीच रुक गई. ट्रेन रुकने के बाद कुछ यात्री नीचे उतरकर समीपवर्ती रेलवे ट्रैक पर चले गए, जहां वे दूसरी दिशा से आ रही गाड़ी संख्या 20424 फिरोजपुर-सिवनी पातालकोट एक्सप्रेस की चपेट में आ गए.

घटना की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) और स्थानीय प्रशासन की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं. अधिकारियों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू करते हुए प्रभावित यात्रियों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई. रेलवे प्रशासन ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि घटना के कारणों और परिस्थितियों की विस्तृत जांच कराई जाएगी. साथ ही यह भी पता लगाया जाएगा कि अफवाह कैसे फैली और चेन पुलिंग किसने की.

इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर अफवाहों के खतरनाक परिणामों को उजागर कर दिया है. कुछ मिनटों की घबराहट और अफरातफरी ने चार लोगों की जान ले ली, जिनमें एक मासूम बच्चा भी शामिल है.

सागर के केसली में 190 करोड़ रुपए की लागत के 53 विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन और लोकार्पण

मातृ शक्ति का आशीर्वाद बना संबल, विकास पथ पर लगातार आगे बढ़ रहा है मध्यप्रदेश- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (आरएनएस)।-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बुन्देलखंड की धरती ने अपने गौरवशाली अतीत को संजोकर रखा है। बुन्देलखंड के वीरों ने अतीत से लेकर आज तक देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया है। मातृ शक्ति का आशीर्वाद सरकार के लिए संबल प्रदान कर रहा है। उनकी सहभागिता एवं नेतृत्व के माध्यम से आज मध्यप्रदेश विकास पथ पर आगे बढ़ता हुआ भारत को विकसित बनाने में अपना सहयोग दे रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सागर जिले के केसली में रविवार को आयोजित लाड़ली बहना सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लगभग 190.85 करोड़ रुपये की लागत के 53 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन करते हुए शिलापट्टिका का

मुख्यमंत्री ने 1.25 करोड़ लाडली बहनों के खातों में अंतरित किये 1835 करोड़ रुपए

अनावरण किया। इसमें लगभग 68.83 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 25 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं 122.02 करोड़ रुपये की लागत से 28 कार्यों का भूमि-पूजन कर लाड़ली बहना योजना की 37वीं किस्त भी जारी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मातृ शक्ति का सशक्तिकरण और उनका नेतृत्व वर्तमान की आवश्यकता है और सरकार इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए लगातार का कार्य कर रही है। लाड़ली बहना योजना तीसरे साल में प्रवेश कर रही है, जिसके माध्यम से प्रत्येक माह बहनों के बैंक खातों में राशि प्रदान की जा रही है। लाड़ली बहना योजना हमारी माताओं बहनों के आर्थिक स्वावलंबन का आधार बनी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इससे सुखद बात क्या हो सकती है कि लाड़ली बहना योजना से मिली राशि से बहनें अपने परिवार के संचालन में सहयोग कर रही हैं। यह उनका समर्पण है, उनका अपना त्याग है। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना सहित अन्य योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के सामाजिक स्तर में बड़ा सुधार आया है। उन्होंने कहा कि बहनों एवं मातृशक्ति के आशीर्वाद से राज्य सरकार निरंतर विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। आज उनके मन में शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान का विश्वास बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस वर्ष मध्यप्रदेश सरकार कृषक कल्याण वर्ष मना रही है। इसमें किसानों के हित में अनेक महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं।

देहरादून में भाजपा नेता की बेरहमी से हत्या

इलाके में भारी तनाव, आरोपियों के घर पर चला बुलडोजर

नई दिल्ली। (आरएनएस)। उत्तराखंड के सहसपुर कोतवाली के बैरागीवाला गांव में पानी के विवाद को लेकर हुए खूनी संघर्ष में भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला सोशल मीडिया सह संयोजक विनोद कुमार की हथौड़े से वार कर बेरहमी से हत्या कर दी गई। शनिवार शाम करीब छह से साढ़े छह बजे के बीच हुए इस हमले में विनोद के भाई अशोक, राजेश और भाभी सुषमा भी गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सांप्रदायिक तनाव फैल गया है।

मृतक के भाई अशोक कुमार द्वारा दर्ज कराई गई तहरीर के अनुसार, पड़ोस के खेत मालिक इम्तियाज के साथ उनका पानी को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। शनिवार को इसी रंजिश में रज्जाक, इम्तियाज, अमन, युनुस, शहबाज, शराफत अली, मासूम, आदिल, शमून, सलमान, जावेद और इंतजार सहित 12 नामजद आरोपी करीब 30-35 अज्ञात लोगों के साथ लाठी-डंडे, हथौड़े और बेलचे लेकर उनके घर

में घुस आए। उत्तराखंड के देहरादून जिले के सहसपुर पुलिस स्टेशन इलाके के बैरागीवाला गांव में शनिवार देर शाम पानी को लेकर हुए झगड़े ने खूनी मोड़ ले लिया। सिंचाई के पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों में कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते सांप्रदायिक हिंसा में बदल गई। इस हिंसक झड़प में भारतीय जनता युवा मोर्चा के एक स्थानीय नेता की मौत हो गई। इस घटना के बाद से ही पूरे इलाके में भारी तनाव बना हुआ है। बीजेपी नेता की हत्या की खबर फैलते ही स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

पाकिस्तान से बातचीत पर आरएसएस का रुख साफ, मोहन भागवत बोले- जनता से संवाद जरूरी

नई दिल्ली-(आरएनएस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने पड़ोसी देश पाकिस्तान को लेकर एक बड़ा और बेहद महत्वपूर्ण बयान दिया है। केरल के तिरुवनंतपुरम में संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के दौरान उन्होंने साफ किया कि पाकिस्तान की सरकार को लेकर संघ का रुख बिल्कुल वही रहेगा, जो भारत सरकार की आधिकारिक नीति है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वहां के आम नागरिकों के साथ बातचीत के दरवाजे हमेशा खुले रहने चाहिए।

मोहन भागवत ने हाल ही में संघ के सीनियर पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबाले के उस बयान का खुलकर समर्थन किया, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान के साथ बातचीत की खिड़की खुली रखने की वकालत की थी। भागवत ने स्पष्ट किया कि होसबाले का इशारा पाकिस्तान की सत्ता या सरकार की तरफ नहीं था, बल्कि वे वहां की आम जनता के साथ संवाद की बात कर रहे थे। आरएसएस प्रमुख ने एक दिलचस्प बात साझा करते हुए कहा कि पाकिस्तान में आज भी ऐसे कई लोग मौजूद हैं, जो दिल से मानते हैं कि भारत का बटवारा एक बहुत बड़ी गलती थी।

एग्जाम स्पेशल ट्रेन में देरी पर भड़के छात्र, स्टेशन पर की तोड़फोड़

पटना-(आरएनएस)। पटना के पाटलिपुत्र स्टेशन पर बिहार पुलिस परीक्षा के अभ्यर्थियों ने ट्रेन की कमी और देरी को लेकर हिंसक प्रदर्शन किया, जिसमें तोड़फोड़ और पथराव हुआ। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा, इस झड़प में रेल आईजी समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए।

पटना के पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात छात्रों ने जमकर बवाल काटा। दरअसल, बिहार पुलिस मद्य निषेध विभाग की भर्ती परीक्षा देने जा रहे हजारों छात्र ट्रेनों की कमी और उनके लेट होने से नाराज थे। देखते ही देखते यह गुस्सा हिंसक प्रदर्शन में बदल गया। गुस्साए छात्रों ने रेलवे ट्रैक पर कूदकर ट्रेनों को रोक दिया, पथराव किया और एग्जाम स्पेशल ट्रेन में तोड़फोड़ भी की। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस को आंसू-गैस के गोले छोड़ने पड़े। मद्य निषेध विभाग की परीक्षा दो शिफ्टों में होनी थी, जिसके लिए हजारों छात्र रात में ही स्टेशन पहुंच गए थे। स्टेशन पर पर्याप्त ट्रेनें न होने और गाड़ियों के लेट होने की वजह से छात्रों को डर सताने लगा कि कहीं उनका एग्जाम न छूट जाए। इसी बीच जब पाटलिपुत्र से कटिहार के लिए चलाई गई एग्जाम स्पेशल ट्रेन स्टेशन पहुंची, तो छात्रों में अफरातफरी मच गई। नाराज छात्र ट्रेन के आगे पटरी पर लेट गए और रेल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे, जिससे ट्रेनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। इस हंगामे की वजह से पाटलिपुत्र स्टेशन से गुजरने वाली कई जरूरी ट्रेनों का सफर रुक गया। राजधानी एक्सप्रेस समेत कई बड़ी ट्रेनों को बीच रास्ते में ही रोकना पड़ा, जबकि कुछ ट्रेनों का रूट बदलना पड़ा।

पथराव में रेल आईजी घायल, पुलिस ने संभाला मोर्चा

घटना की खबर मिलते ही रेल आईजी जितेंद्र राणा, रेल एसपी, आरपीएफ और जिला पुलिस के कई सीनियर अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने छात्रों को समझाने की बहुत कोशिश की, लेकिन प्रदर्शनकारी नहीं माने। इस दौरान हुए पथराव में रेल आईजी जितेंद्र राणा और कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। स्थिति को काबू में करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा और आंसू-गैस के गोले छोड़े गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, खुद रेल आईजी ने हाथ में पिस्तौल लेकर पुलिस बल का नेतृत्व किया।

डीएम बोले- कुछ असामाजिक तत्वों ने बिगाड़ा माहौल

पटना के डीएम डॉ. थियागराजन ने बताया कि आधी रात को उपद्रव की सूचना मिली थी। प्रशासन ने छात्रों से हंगामा न करने और परीक्षा देने वाले दूसरे अभ्यर्थियों का सहयोग करने की अपील की थी। लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों ने जानबूझकर माहौल खराब किया और दो विशेष ट्रेनें मौजूद होने के बावजूद नई मांगें रखने लगे।

मैहर- मां शारदा देवी मंदिर में पालिथीन बैन, नियम तोड़ने पर 500 रुपए का लगेगा जुर्माना

मैहर.(आरएनएस)। धार्मिक नगरी मैहर में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता संवर्धन और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मां शारदा देवी मंदिर प्रबंधन समिति ने बड़ा निर्णय लिया है. समिति द्वारा जारी आदेश के अनुसार 1 जुलाई 2026 से संपूर्ण मंदिर व मेला परिक्षेत्र को पॉलिथीन मुक्त क्षेत्र घोषित किया गया है. इस संबंध में मंदिर प्रशासक द्वारा औपचारिक आदेश जारी कर दिए गए हैं. मंदिर प्रबंधन का कहना है कि हर साल लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए मंदिर पहुंचते हैं. बड़ी संख्या में पॉलिथीन के उपयोग से परिसर में गंदगी फैलने के साथ-साथ पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है. इसी को देखते हुए मंदिर क्षेत्र में पॉलिथीन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है. इस पहल का उद्देश्य मंदिर परिसर को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त बनाए रखना है. जारी निर्देशों के अनुसार 1 जुलाई 2026 से मंदिर एवं मेला परिक्षेत्र में किसी भी प्रकार की पॉलिथीन थैली, प्लास्टिक कैरी बैग अथवा अन्य प्रतिबंधित पॉलिथीन सामग्री का उपयोग, भंडारण या वितरण प्रतिबंधित रहेगा.

मीनाक्षी नटराजन नामांकन विवाद में नया मोड़, अब हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी कांग्रेस

भोपाल. (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने का विवाद अब न्यायिक लड़ाई के अगले चरण में पहुंच गया है. सुप्रीम कोर्ट और निर्वाचन आयोग से राहत नहीं मिलने के बाद कांग्रेस ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में चुनाव याचिका दायर करने की तैयारी शुरू कर दी है. पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व इस मामले को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिवक्ताओं से कानूनी सलाह ले रहा है. मीनाक्षी नटराजन भी इन दिनों दिल्ली में मौजूद हैं और पार्टी सूत्रों के अनुसार अगले सप्ताह हाई कोर्ट में याचिका दायर की जा सकती है.

कांग्रेस की कोशिश है कि 21 जून से पहले किसी प्रकार की अंतरिम राहत प्राप्त हो जाए. इसके पीछे सबसे बड़ा कारण यह है कि राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए भाजपा उम्मीदवार तरुण चुग, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट इसी अवधि के बाद शपथ ग्रहण कर सकते हैं. कांग्रेस का मानना है कि यदि शपथ से पहले न्यायालय से कोई सकारात्मक आदेश प्राप्त हो जाता है तो मामले की दिशा बदल सकती है. शुक्रवार को इस विवाद को लेकर कांग्रेस को बड़ा झटका तब लगा था जब सुप्रीम कोर्ट ने मीनाक्षी नटराजन की याचिका पर हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया. इससे पहले निर्वाचन आयोग से भी उन्हें कोई राहत नहीं मिली थी. इसके बाद पार्टी ने चुनाव याचिका के रास्ते पर आगे बढ़ने का निर्णय लिया है. चुनाव संबंधी कानूनी प्रावधानों के अनुसार अधिसूचना जारी होने के 45 दिनों के भीतर चुनाव याचिका दायर की जा सकती है. इसी समय सीमा को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस कानूनी तैयारी को अंतिम रूप दे रही है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि पार्टी इस मामले को छोड़ने वाली नहीं है. उनका कहना है कि नामांकन निरस्त करने का निर्णय लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है और बहुत जल्द हाई कोर्ट में चुनाव याचिका प्रस्तुत की जाएगी. कांग्रेस का आरोप है कि नामांकन निरस्त करने की कार्रवाई राजनीतिक पूर्वाग्रह से प्रेरित थी

कटनी में हादसा : तालाब में डूबने से दो बहनों की मौत, दोनों नाबालिग नहाने गई थी

कटनी. (आरएनएस)। एमपी के कटनी जिले के बाकल थाना क्षेत्र के ग्राम मढिया में शनिवार 13 जून की देर रात तालाब में डूबने से दो सगी बहनों की मौत हो गई. दोनों नाबालिग बहनें दोपहर करीब 4 बजे नहाने के लिए घर से निकली थीं, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटीं. परिजनों की सूचना पर पुलिस और ग्रामीणों ने संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया, जिसके बाद उनके शव तालाब से बरामद किए गए. सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. मृतक बहनों की पहचान मढिया निवासी निधि लोधी (17) और उसकी छोटी बहन नेहा लोधी (14) के रूप में हुई है. शनिवार दोपहर वे गांव के बलराम तालाब में नहाने गई थीं. कई घंटे बीत जाने के बाद भी जब वे घर नहीं लौटीं, तो परिजनों को चिंता हुई. परिजनों ने पहले अपने स्तर पर आसपास और रिश्तेदारों के यहां उनकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला. इसके बाद वे बलराम तालाब पहुंचे, जहां भी बहनों का पता न चलने पर उन्होंने तत्काल बाकल थाना पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही बाकल थाना प्रभारी विजय विश्वकर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से तालाब में व्यापक सर्च अभियान शुरू किया. तालाब का पानी गहरा होने के कारण बचाव कार्य में कठिनाई हुई. कई घंटों की मशक्कत के बाद दोनों बहनों को तालाब से अचेत अवस्था में बाहर निकाला गया. पुलिस और परिजन तुरंत दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए,

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।। थाना प्रभारी घमापुर दिनेश गौतम ने बताया कि विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि छोटू उर्फखरे नवीन खरे भगवान दास टेंट के पास कुलिया में भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब रखा है, सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई जहां मुखबिर के बताये हुलिये का व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने का प्रयास जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया जिसने पूछताछ पर अपना नाम छोटू खरे उर्फ नवीन खरे उम्र 34 वर्ष निवासी शीतलामाई रोड घमापुर बताया जिसके कब्जे में बैगपाईपर अंग्रेजी शराब की 13 बाटल, 8 पीएम के 50 पाव, मेकडावल नम्बर 1 के 27 पाव, बैगपाईपर अंग्रेजी शराब के 100 पाव तथा देशी शराब के 100 पाव,

मोदी सरकार के 12 साल पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हुए शामिल- विकसित भारत संकल्प सम्मलेन को केंद्रीय वाणिज्य, उद्योग एवं आईटी राज्यमंत्री ने किया सम्बोधित

विकसित भारत का संकल्प, सभी के सहयोग से होगा पूर्ण- जितिन प्रसाद

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने विकसित भारत – 2047 जो संकल्प लिया है यह प्रधानमंत्री जी का और सरकार का नहीं बल्कि 140 करोड़ देशवासियों का संकल्प है और इस संकल्प की पूर्ति हेतु सभी को साथ आना होगा और समाज के प्रत्येक वर्ग को अपनी सक्रिय भूमिका निभानी होगी, विगत 12 वर्षो की विकास यात्रा को लेकर हम आपके बीच आये है यह केवल हमारी सरकार की उपलब्धिया नहीं बल्कि विकसित भारत का रोड मेप है यह बात केंद्रीय वाणिज्य, उद्योग एवं आईटी राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मलेन को सम्बोधित करते हुए संभागीय भाजपा कार्यालय रानीताल में कही।

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, सांसद श्री आशीष दुबे, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकी, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अखिलेश जैन, जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर, जिला प्रभारी श्री आलोक संजर, महापौर श्री जगतबहादुर सिंह, विधायक श्री अशोक रोहाणी, श्री अभिलाष पांडे, जेडीए अध्यक्ष श्री संदीप जैन, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्वनी पराँजपे, प्रदेश संयोजक श्री संदीप रजक, प्रदेश प्रवक्ता डॉ वाणी अहलुवालिया, नगर निगम अध्यक्ष श्री रिंकू विज, जेडीए उपाध्यक्ष श्री प्रशांत केसरवानी, महामंत्री श्री पंकज दुबे, श्री रंजीत पटेल, श्री सोनू वचवानी की उपस्थिति में विकसित भारत संकल्प सम्मलेन पार्टी कार्यालय में आयोजित किया गया जिसमे जबलपुर के प्रबुद्ध जन शामिल हुए.

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री जतिन प्रसाद ने जबलपुर आगमन पर भाजपा द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता की. केंद्रीय राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद ने संकल्प सम्मलेन को सम्बोधित करते हुए कहा विगत 12 वर्ष में भारत को नई दिशा, नई ऊर्जा देने का कार्य हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने किया है। पुरे विश्व में आज स्थितियाँ विपरीत है, चुनौती पूर्ण माहौल है उसके बाद भी हमारा भारत स्थिर खड़ा है और आने वाले किसी भी संकट का का सामना और समाधान करने में सक्षम है और यह सब इसीलिए संभव हुआ है क्योंकि आपके आशीर्वाद और सहयोग से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज एक पूर्ण बहुमत स्थिर सरकार है, जनमत मोदी जी के साथ है। सशक्त नेतृत्व और सक्षम सरकार होने से ही भारत आज विश्व भर की चुनौतीयों के बाद भी हर मामले में स्थिर खड़ा है। उन्होंने कहा आने वाले 20 वर्षों के लिए नींव आज रखी जा रही है आपको बताना चाहता हूँ आज जो नीतियां केंद्र सरकार बना रही हैं वह 2047 में विकसित भारत के लिए रोड मेप तैयार हो रहा है. विश्व के विकसित देश जो भारत से ना बात करना चाहते थे ना ही भारत की वस्तुओं को देखना नहीं चाहते थे पर आज परिस्थितियां बदली है मोदी जी का नेतृत्व आने के बाद विकसित से विकसित देश हमारे साथ करार रहे है और हम भी वर्ल्ड क्लास वस्तुओं को दुनिया को बेच रहे है। उन्होंने कहा हमारे देश की 140 करोड़ जनसंख्या को पहले बोझ माना जाता था आज स्थिति बदली है देश के लोगो का जीवन स्तर बदल रहा है हर व्यक्ति आगे आ रहा है जीवन जीने का तरीका स्टेण्डर्ड बदल रहा है. मोदी जी का नेतृत्व आने के बाद बड़े बड़े देश लाइन लगा रहे है कि हमारे साथ करार हो जाये , यह देश की जनता की बदौलत यह सम्भव हुआ है और आज भारत विश्व का सबसे बड़ा बाजार बन गया है। उन्होंने कहा आत्मनिर्भर भारत की हमने सिर्फ बात नहीं की बल्कि उसे साकार होते हम देख रहे है, और हमारे युवाओं को आने वाले वर्षों में किसी की ओर देखना नहीं होगा न ही किसी के सामने हाथ फैलाने होंगे. हमने उन वस्तुओं का निर्माण अपने देश में करना प्रारम्भ कर दिया है जिनके लिए हमें दूसरे देशो पर निर्भर होना होता था। भारत दुनिया टेलेंट केपिटल है, हम टेक्नोलॉजी में आगे बढ़ रहे है क्योंकि आने वाले समय जो देश की टेक्नोलॉजी सशक्त होगा वही दुनिया पर राज करेगा, हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए हमारी सरकार कार्य रही है. उन्होंने कहा प्रधानमंत्री जी पिछले 12 वर्षों में भारत को विश्व का नेतृत्व करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ावा है। भारत का वैश्विक स्तर पर मान–सम्मान बढ़ा है। प्रधानमंत्री जी ने प्रत्येक नागरिक के सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि को केंद्र में रखकर नीतियां बनाई हैं। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने संकल्प सम्मलेन को सम्बोधित करते हुए कहा आज देश उपलब्धियों के साथ आगे बढ़ते हुए देख रहे है, प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में किसानों, गरीबों, युवाओं और महिलाओं का सशक्तिकरण ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। केंद्र सरकार की योजनाओं ने करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने और सम्मानजनक जीवन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विगत 12 वर्षों की यात्रा में हम सभी ने देखा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी देश को नई दिशा के काम एक दिन का भी अवकाश लिए बिना कर रहे है। मंत्री श्री सिंह ने कहा देश जब आज़ाद हुआ तब बहुत उम्मीदें थी बहुत सपने थे, हमारे बुजुर्गो ने आज़ादी के समय यहीं सोचा होगा पर उन्हें नहीं पता था क़ि आज़ादी के बाद भी हमें इतने संघर्ष देखने होंगे, देश आज़ाद तो हो गया था परन्तु दुनिया में हमारी पहचान पीछे होती गई लोग उम्मीद लगाए बैठे थे लोगो की उम्मीदें पुरा होने का अवसर आया 2014 में जब श्री नरेंद्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली।

उन्होंने कहा देश में 55 से 60 साल तक लगातार कांग्रेस की सरकार रही, यदि इक्षा शक्ति होती तो सरकारें देश को बदल सकती थी किन्तु देश के गरीब, महिलाये, युवा किसान और आम आदमी इंतज़ार करते रहे कि कोई आएगा जो देश को भी आगे बढ़ाएगा साथ ही हम लोगो की पीड़ा को समझेगा और यह इंतजार खत्म हुआ जब मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी। भविष्य में जब भी भारत का इतिहास लिखा जायेगा तब भारत का उत्थान का कार्यकाल 2014 से ही माना जायेगा. सांसद श्री आशीष दुबे ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा 2014 के बाद से विकसित भारत की आवाज हमारे कानो में गूंज रही है. प्रधानमंत्री जी ने शपथ लेते ही राष्ट्र प्रथम को ही प्राथमिकता दी और उसका परिणाम हुआ कि देश आज प्रगति पथ पर आगे बढ़ रहा है. 10 जून 2026 को 4399 दिन तक निर्वाचित प्रधानमंत्री होने का गौरव मोदी जी को मिला है. मोदी जी ने देश को चार जातियों में बांटा जिनमे महिला, युवा, किसान और गरीब के कल्याण के लिए सरकार कार्य कर रही है.

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री शरद जैन, हरेंद्रजीत सिंह बब्बू, प्रभात साहू, जीएस ठाकुर, डॉ जितेंद्र जामदार, सुषमा जैन, महाकौशल चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष रवि गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार रविन्द्र बाजपेई, डॉ राजेश धीरावाणी, डॉ बीके पांसे, उद्योगपति अजीत समदड़िया, शंकर नागदेव, संदीप विजन, तारु खत्री, राजीव बडेरिया, मल्लिका बैनर्जी, अखिल मिश्रा, प्रशांत कर्मवीर के साथ बड़ी संख्या में प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।

राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने शरद अग्रवाल के निवास में की मां नर्मदा आरती

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह के निज प्रवास पर जबलपुर आगमन पर भा जा पा व्यापारी प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश संयोजक शरद अग्रवाल के निज निवास पहुंच कर मां नर्मदा जी का पूजन अर्चन कर आरती की इस अवसर पर शरद अग्रवाल, अधिवक्ता सचिन अग्रवाल, शीर्ष , संस्कार उपस्थित थे विजय प्रताप सिंह जी ने विभिन्न सामाजिक विषयों सहित आदिवासी क्षेत्र में रहने वाले जन लोगो की चर्चा की कार्यक्रम के अंत में गोंडी चित्रकला भेंट कर शरद अग्रवाल ने देवेंद्र प्रताप सिंह का शाल श्री फल सप्रेम भेंट कर स्वागत वंदन अभिनन्दन किया

भाजपा महिला मोर्चा मीनाक्षी नटराजन मामले में कांग्रेस की खामियां निकालकर घडयाली आंसू ना बहाऐ- कांग्रेस

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष (ओबीसी विभाग) पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मध्य प्रदेश कांग्रेस टीकाराम कोष्टा ने कहा कि नारी वंदन अभिनंदन का ढिंढोरा पीटने वाली भाजपा महिला मोर्चा कांग्रेस राज्यसभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन के फॉर्म निरस्त मामले में घड़ियाली आंसू ना बहाऐ। कांग्रेस की खामियां निकालने के पहलेअपने गिरोबान में झांक कर देखें भाजपा सरकार में 12 वर्षों के दौरान किसान, युवा, पेपर लीक एवं पिछड़े वर्ग को 27ल आरक्षण, महिला आरक्षण, और महिलाओं पर अत्याचार मामले में भाजपा मौन क्यों रही?

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश उपाध्यक्ष (ओबीसी विभाग) टीकाराम कोष्टा प्रदेश कोऑर्डिनेटर अलीम मंसूरी विजय अग्रवाल रामदास यादव मामूर गुड्डु सोमवारू कोल संजू ठाकुर अरविंद श्रीवास्तव धर्मेंद्र कुशवाहा डॉक्टर मोइन अंसारी जगतमणि चतुर्वेदी सुरेंद्र तिवारी अशोक यादव अनिल गुप्ता अमित नामदेव अशोक चौधरी अनिल गुप्ता श्याम सोलंकी आदि ने कहा कि आज विकास सुशासन जन कल्याण की दुहाई देने वाले जब मणिपुर में महिला शक्ति को निर्वस्त्र करके घुमाया जा रहा था महिला पहलवानों के साथ ज्यादतियां उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश के जबलपुरमें नारी शक्ति को नौकरी दिलाने के नाम पर शोषण, पर भाजपा महिला मोर्चा क्यों चुप रहा?

भाजपा महिला मोर्चा मीनाक्षी नटराजन मामले में कांग्रेस की खामियां निकाले- कांग्रेस

जबलपुर। नारी वंदन अभिनंदन का ढिंढोरा पीटने वाली भाजपा महिला मोर्चा कांग्रेस राज्यसभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन के फॉर्म निरस्त मामले में कांग्रेस की खामियां निकालने के पहले अपने गिरोबान में झांक कर देखें। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश उपाध्यक्ष (ओबीसी विभाग) टीकाराम कोष्टा प्रदेश कोऑर्डिनेटर अलीम मंसूरी, विजय अग्रवाल, रामदास यादव, सोमवारू कोल, संजू ठाकुर, अरविंद श्रीवास्तव, धर्मेंद्र कुशवाहा, जगतमणि चतुर्वेदी, सुरेंद्र तिवारी, अशोक यादव, अनिल गुप्ता, अमित नामदेव, अशोक चौधरी, श्याम सोलंकी आदि ने कहा कि आज विकास सुशासन जन कल्याण की दुहाई देने वाले जब मणिपुर में महिला शक्ति को निर्वस्त्र करके घुमाया जा रहा था महिला पहलवानों के साथ ज्यादतियां उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश के जबलपुरमें नारी शक्ति को नौकरी दिलाने के नाम पर शोषण, पर भाजपा महिला मोर्चा चुप रही।

कांग्रेस ने की मजबूत दल बदल नियम बनाने की मांग

जबलपुर। जिस किसी भी पार्टी के पक्ष में मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर जनप्रतिनिधियों को चुनता है, उस प्रतिनिधि को अपना पूरा कार्यकाल उसी पार्टी में रहना चाहिए, अन्यथा दल बदल को मतदाताओं से धोखा माना जाना चाहिये। यह बात अल्पसंख्यक कांग्रेस परिवार के सरदार दलवीर सिंह जस्सल एवं सुमन कुमार जैन ने अपने संयुक्त बयान में व्यक्त की। उन्होंने कहा कि तय संख्या के मध्य नजर कानून ऐसे बगावतियों को मान्यता दे देता है जो कि सरासर गलत है व ऐसे कानून का क्या औचित्य जो दल बदल को बढ़ावा दे और इस गलती पर रोक ना लगा सके। जिस प्रकार से प्रदेशों में दल बदल को बढ़ावा दिया जा रहा है वह बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है। जिस तरह से ताजा घटनाओं में महाराष्ट्र ,बंगाल आदि में दल बदल को बढ़ावा दिया जा रहा है वह लोकतंत्र की मर्यादा का हनन कर रहा है। अल्पसंख्यक कांग्रेस ने केंद्र सरकार से एवं मुख्य चुनाव आयुक्त से दल बदल रोकने संबंधित एक मजबूत विधेयक लाने की मांग देश हित में की है।

केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद पहुंचे उत्तर मध्य विधानसभा विधायक कार्यालय सेवा सदन, डॉ अभिलाष पाण्डेय साथ किया गौ पूजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। केंद्रीय वाणिज्य एवं आई टी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद रविवार को संस्कारधानी में अपने एक दिन के सांगठनिक प्रवास पर पहुंचे इस दौरान जबलपुर उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय के कार्यालय सेवा सदन पहुंचकर माननीय जितिन प्रसाद जी ने विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय के साथ गौ पूजन किया एवं गौ माता का आशीर्वाद प्राप्त किया, इस दौरान जबलपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद माननीय आशीष दुबे,जबलपुर संगठन प्रभारी आलोक संजर एवं भाजपा जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू,महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी परांजपे,निगम अध्यक्ष रिकुंज विज उपस्थित थे। सेवा सदन पहुंचकर माननीय केन्द्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से मिलकर उनसे संवाद किया एवं मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर उपलब्धियों और कार्यों को बताया। सरकार द्वारा विभिन्न स्तर पर किए जा रहे प्रयासों एवं विकसित भारत के लिए देश की तैयारी और वर्तमान परिस्थितियों में हमारे देश के नेतृत्व का दृढ़ता के साथ जन आकांक्षाओं को मूर्त रूप देते हेतु लगातार किए जा रहे प्रयासों को जनता तक पहुंचाने की भी अपील की। उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने माननीय केन्द्रीय मंत्री जितिन प्रसाद का स्वागत और आगवानी की तथा जबलपुर उत्तर मध्य विधानसभा आगमन पर कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट करके स्वागत किया गया।

स्मार्ट मीटर अनिवार्य नहीं फिर भी मजबूर कर रहे- प्रतिवेदन दो

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। स्मार्ट मीटर लगवाना अनिवार्य नहीं है। उपभोक्ताओ की सहमति लेना जरूरी है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट का है। इसके बावजूद भी जिले में विद्युत कंपनी के अधिकारियों द्वारा उपभोक्ताओं की सहमति के बिना ही जबरन स्मार्ट मीटर लगाये जाने का मामला सामने आया है। पूक्षेविवि कंपनी के अधिकारियों द्वारा उपभोक्ताओं को परेशान करके मीटर बदलने के लिये मजबूर कर रहे हैं।

इस कारण उपभोक्ताओं को कई गुना ज्यादा बिल आ रहा हैं और परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गत दिनों इनकम टैक्स चौराहा चर्च कंपाउंड में पंकज बोरो के निवास पर स्मार्ट मीटर नहीं लगवाने पर घर की बिजली ही काट दी गई। मजबूर होकर उन्हें स्मार्ट मीटर लगवाना पड़ा। मप्र मानव अधिकार आयोग की क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार के आधार पर जनहित में मामले में संज्ञान लेकर मप्र मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ भोपाल में प्रकरण पर सुनवाई करते हुए अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने प्रथम दृष्टया मानव अधिकारों के उल्लंघन का मामला मानकर, मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड जबलपुर के एमडी से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में मांगा है।

कोटा-चौमहला-कोटा मेमू ट्रेन का उज्जैन तक विस्तार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रेल मंत्रालय द्वारा रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे पर संचालित गाड़ी संख्या 61624/61623 कोटा-चौमहला-कोटा मेमू ट्रेन का विस्तार अब उज्जैन तक करने का निर्णय लिया गया है। यह विस्तार 15 जून 2026 से अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा।

कोटा-उज्जैन-कोटा मेमू ट्रेन

विस्तारित नई समय-सारिणी =-

गाड़ी संख्या 61624 कोटा से उज्जैन मेमू ट्रेन प्रतिदिन कोटा से प्रातः 5=40 बजे प्रस्थान कर रामगंज मंडी (07=05 बजे), भवानी मंडी (07=33 बजे), शामगढ़ (08=05 बजे), चौमहला (08=38 बजे), विक्रमगढ़ आलोट (09=13 बजे) एवं नागदा (10=30 बजे) होते हुए दोपहर 12=00 बजे उज्जैन पहुंचेगी।

वापसी में गाड़ी संख्या 61623 उज्जैन से कोटा मेमू ट्रेन प्रतिदिन उज्जैन से दोपहर 12=30 बजे रवाना होकर नागदा (14=10 बजे), चौमहला (15=25 बजे), शामगढ़ (15=53 बजे), भवानी मंडी (16=28 बजे) एवं रामगंज मंडी (16=58 बजे) होते हुए सायं 19=05 बजे कोटा पहुंचेगी।

कोच संरचना =- इसमें 12 मेमू कोच होंगे।

ठहराव =- विस्तारित मार्ग पर यह ट्रेन दोनों दिशाओं में न्यू कोटा, डकनिया तलाव, अलनिया, रावंठा रोड, दरा, कंवलपुरा, मोड़क, रामगंज मंडी, झालावाड़ रोड, धुआँखेड़ी, भवानी मंडी, कुरलासी, गरोठ, शामगढ़, सुवासरा, चौमहला, तलावली, थूरिया, विक्रमगढ़ आलोट, लूनी रीछा, महिदपुर रोड, रोहल खुर्द, नागदा, भाटीसुड़ा, पिपलोदा बागला, उन्हेल, पलसोड़ा मकड़ावन, असलावदा और नईखेड़ी।

रेल यात्रि विस्तारित ट्रेन की विस्तृत जानकारी रेलवे स्टेशन पूछताछ, रेल मदद 139 एवं रेलवे वेबसाइट एनटीईएस ऑनलाइन से भी प्राप्त कर सकते हैं।

आचार्यश्री का चिंतन हमेशा राष्ट्र हित के लिए होता था-मुनिश्री निष्कामसागर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। आचार्यश्री विद्यासागर समा भवन में आयोजित धर्मसमा में जैन धर्मावलंबियों को उपदेश देते हुए...मुनिश्री निष्काम सागर जी ने कहा कि आचार्य भगवंत विद्यासागर जी महामुनि राज की सोच दूरदर्शी थी वह वर्तमान को तो ध्यान में रखते ही थे भविष्य को ध्यान में रखकर के काम किया करते थे कुंडलपुर के बड़े बाबा का मंदिर का निर्माण उन्होंने हजारों साल तक जिन शासन की प्रभावना के लिए किया। आचार्य श्री का चिंतन हमेशा और राष्ट्र के हित के लिए होता था प्राणी मात्र के कल्याण के लिए होता था उन्होंने जितने भी प्रकल्प स्थापित किया हर व्यक्ति के कल्याण के लिए स्थापित करें जबलपुर में निर्मित होने वाला पाषाण का मंदिर उनकी दूरगामी सोच का ही परिणाम है मुझे आचार्य श्री हर व्यक्ति के थोड़े-थोड़े सहयोग से मंदिर के निर्माण को पूर्ण कराया करते थे जिससे हर व्यक्ति के हिस्से में पुण्य संचित हो सके। धर्मसमा में सत्येन्द्र जैन%जुग्गु, अरविंद राजा, अनिलनायक अमित पड़?रिया उपस्थित थे। धर्मसमा का संचालन मनीष जैन ने किया।

भोपाल -सागर जिले में गेहूं खरीदी में गंभीरिया के लक्ष्मी नगर स्थित श्री देव प्रभाकर हाउस में गंभीर अनियमितताओं और किसानों के हितों से खिलवाड़ के मामले को खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर को तत्काल कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री श्री राजपूत के निर्देश पर मामले में प्रथम दृष्टया लापरवाही पाए जाने पर सहायक आपूर्ति अधिकारी निशांत पांडे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है,

मुख्यमंत्री ने समृद्ध एमएसएमई- विकसित मध्यप्रदेश कार्यक्रम में उद्यमियों से किया संवाद-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से 900 एमएसएमई यूनिट्स को 360 करोड़ रुपये से अधिक की वितरित की प्रोत्साहन राशि

राज्य सरकार प्रदेश में रोजगारपरक उद्योगों की स्थापना को कर रही है प्रोत्साहित- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (आरएनएस)-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार है। छोटे उद्योग करोड़ परिवारों को रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। राज्य सरकार प्रदेश में रोजगारपरक उद्योगों की स्थापना को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। हमारा उद्देश्य वर्ष 2047 तक प्रदेश में एक करोड़ एमएसएमई स्थापित करने का है। सूक्ष्म, लघु, और मध्यम उद्यम प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। हर जिले में उद्योग, हर परिवार में रोजगार और हर युवा को अवसर देना राज्य सरकार का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत, दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। जिस प्रकार हर 12 वर्ष में सिंहस्थ स्नान का अवसर मिलता है, उसी प्रकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के सुशासन के 12 वर्ष से देशवासियों को अमृत स्नान का अवसर प्राप्त हुआ है। बीते 12 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में एमएसएमई क्षेत्र का कायाकल्प हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में एमएसएमई उद्यमियों, स्टार्ट-अप्स तथा अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को सिंगल क्लिक से प्रोत्साहन राशि और हितलाभ वितरण के लिए आयोजित %समृद्ध एमएसएमई- विकसित मध्यप्रदेश% कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुआ। इस अवसर पर प्रदेश में एमएसएमई, स्टार्ट-अप प्रोत्साहन के लिए संचालित गतिविधियों पर लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का औद्योगिक संगठनों ने किया अभिनंदन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से 900 एमएसएमई यूनिट्स को 360 करोड़ से अधिक की प्रोत्साहन राशि का वितरण किया। साथ ही 31 मार्च 2026 तक की समस्त देयताओं का भुगतान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 6 ईटीपी निर्मित करने वाली इकाइयों को दो

करोड़ 02 लाख की रुपये सहायता, विशेष पैकेज के तहत इकाइयों को एक करोड़ 07 लाख रुपये मण्डीशुल्क की प्रतिपूर्ति और 11 इकाईयों का विद्युत टैरिफ रुपए तीन करोड़ 69 लाख रुपये का वितरण सिंगल क्लिक से किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत ऋण राशि, भू-आवंटन पत्रक तथा स्टार्टअप नीति 2025 के अंतर्गत प्रोत्साहन राशि का वितरण भी किया। विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन किया। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश मिश्रा, अलाना ग्रुप के संस्थापक सुश्री राशि बहल मेहरा और उद्यमी श्री कुणाल ज्ञानी ने मध्यप्रदेश में उद्यम स्थापित करने के संबंध में अपने अनुभव साझा किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डिक्की के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनिल सरवैया तथा उद्यमी श्रीमती प्रतिभा यादव, डॉ. सुरेश दुबे, श्री दिनेश चंदवानी, श्री यशराज वर्मा से संवाद भी किया। 24 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयों में सवा करोड़ से अधिक लोगों को मिला रोजगार मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्यमशीलता और नवाचारों में मध्यप्रदेश, देश में अग्रणी है। प्रदेश में 24 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयों में सवा करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। इसमें 4 लाख 41 हजार से अधिक इकाइयों की कमान बहनें संभाल रही हैं, यह महिला सशक्तिकरण का उदाहरण भी है। आगामी ढाई वर्षों में 4 हजार 500 करोड़ रुपये देकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को मजबूती देने का लक्ष्य है। एमएसएमई विकास, नीति उद्यमियों को मजबूती प्रदान कर रही है। इसके अंतर्गत निवेश पर 40 प्रतिशत, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को 60 प्रतिशत तक प्रोत्साहन तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिला उद्यमियों को 8 प्रतिशत अतिरिक्त सहायता प्रदान की जा रही है।

एमएसएमई क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्यमियों को उद्योग स्थापित करने के लिए रियायती दरों पर भूमि उपलब्ध कराने के लिए नियमों को सरल किया गया है। पिछले ढाई वर्षों में 30 नए औद्योगिक क्षेत्र और 14 क्लस्टर स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही 1 हजार 63 भूखंड, उद्यमियों को आवंटित किए जा चुके है। आने वाले ढाई वर्षों में 60 नए औद्योगिक क्षेत्र और क्लस्टर विकसित करने और 6 हजार से अधिक भू-खंड नए उद्यमियों को देने का लक्ष्य है। सरकार द्वारा दी जा रही सहायता केवलू अनुदान नहीं, बल्कि उद्यमियों के सपनों को गति देने का माध्यम है। इससे नए उद्योग स्थापित होंगे, उत्पादन बढ़ेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। एमएसएमई क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र है। प्रदेश के युवाओं, महिलाओं और ग्रामीण उद्यमियों को इससे नए अवसर प्राप्त होंगे। मध्यप्रदेश के उत्पाद अब राष्ट्रीय ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच रहे हैं। सरकार तकनीक, वित्त और आवश्यक मार्गदर्शन देकर स्थानीय उद्यमों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के स्टार्टअप आज देशभर में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। प्रदेश में स्टार्टअप की संख्या 7 हजार 400 से अधिक हो चुकी है, जिनमें लगभग 50 प्रतिशत 3 हजार 400 से अधिक स्टार्ट-अप्स का नेतृत्व हमारी बहनें कर रही हैं। स्टार्ट-अप्स के लिए मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना% के तहत पिछले ढाई वर्षों में 23 हजार 500 से अधिक युवाओं को 1 हजार 630 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण उपलब्ध कराया गया है। स्टार्टअप रैंकिंग में मध्यप्रदेश को लीडर श्रेणी का सम्मान मिला है। हमारा संकल्प है कि प्रदेश के हर जिले में कम से कम एक इंक्यूबेशन सेंटर हो। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में सब्सिडी युक्त %प्लग-एंड-प्ले% मॉडल पर को-वर्किंग स्पेस तैयार किए जाएंगे। सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछले ढाई वर्षों में प्रदेश को औद्योगिक विकास में आगे रखने के लिए अनथक परिश्रम किया है।

संवेदनशील और प्रभावी बाल संरक्षण के लिए तैयार होंगे सीडब्ल्यूसी सदस्य

भोपाल -(आरएनएस) बाल संरक्षण तंत्र को अधिक संवेदनशील, प्रभावी और उत्तरदायी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत मध्यप्रदेश के 19 जिलों के बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के नवनियुक्त अध्यक्षों एवं सदस्यों के लिए 13 दिवसीय आवासीय इंडक्शन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत स्वायत्त संस्था सावित्री बाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान द्वारा आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल में किया गया। एक से 13 जून 2026 तक आयोजित इस प्रशिक्षण में मध्यप्रदेश के 19 जिलों भोपाल, मंडला, डिंडोरी, भिंड, देवास, इंदौर, बड़वानी, खंडवा, बुरहानपुर, दतिया, हरदा, बालाघाट, दमोह, नर्मदापुरम, अनूपपुर, अशोकनगर, गुना, विदिशा और सीहोर से कुल 36 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान विषय विशेषज्ञों ने किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015, बाल अधिकारों, बाल संरक्षण तंत्र, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन प्रक्रियाओं तथा बाल कल्याण समितियों की वैधानिक जिम्मेदारियों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया।

एमपी में शिक्षक पात्रता परीक्षा को लेकर हलचल, कोर्ट के फैसले के बाद बढ़ी तैयारियां

भोपाल , ,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा को लेकर देश की सर्वोच्च अदालत के हालिया फैसले के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने परीक्षा के आयोजन को लेकर अपनी प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि इस परीक्षा का आयोजन आगामी जुलाई या अगस्त 2026 में किया जा सकता है, जिसमें राज्य भर के लगभग डेढ़ लाख से ज्यादा शिक्षकों के बैठने की संभावना है। इसी सिलसिले में लोक शिक्षण संचालनालय के आयुक्त ने विभिन्न शिक्षक संघों के पदाधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की और उन्हें विश्वास दिलाया कि शिक्षकों की सुविधा के लिए परीक्षा से जुड़ी तमाम अध्ययन सामग्री इंटरनेट पर ऑनलाइन मुहैया कराई जाएगी, ताकि सभी शिक्षक बिना किसी व्यवधान के घर बैठे ही अपनी तैयारी पूरी कर सकें।

शिक्षा विभाग इस समय सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के तहत परीक्षा के नियम और विस्तृत रूपरेखा तैयार करने में व्यस्त है। इसके साथ ही, साल 2005 से 2009 के दौरान व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) के जरिए भर्ती हुए शिक्षकों को इस पात्रता परीक्षा के दायरे में शामिल किया जाए या नहीं, इस पर भी गहन माथापच्ची चल रही है।

इंदौर के मेघदूत गार्डन में बनी ब्रिक्स वाटिका में विदेशी प्रतिनिधियों ने पौधे लगाए। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों ने भी इस वृक्षारोपण अभियान में हिस्सा लिया।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह में 660 मेगावाट सुपरक्रिटिकल इकाई निर्माण कार्य को मिली नई गति

मुख्य बॉयलर क्षेत्र में उत्खनन कार्य प्रारंभ

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (स्न्क्क्रत्रष्टरु) द्वारा प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई में स्थापित की जा रही नई 660 मेगावाट क्षमता की सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत इकाई के निर्माण कार्य में तेजी लाई जा रही है। इसी क्रम में परियोजना के सबसे महत्वपूर्ण हिस्से मुख्य बॉयलर क्षेत्र में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (क्क॥श्वरु) की टीम द्वारा उत्खनन (श्व×ष्ड्ड1ड्डह्लद्बश्ठ्ठ) कार्य का शुभारंभ किया गया। यह कार्य परियोजना को मूर्त रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्माण मील का पत्थर माना जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के प्रारंभिक चरण में अमरकंटक ताप विद्युत गृह की परियोजना टीम द्वारा उल्लेखनीय प्रयास करते हुए स्विच यार्ड क्षेत्र के बे-1 से बे-5 तक की भूमि को रिकॉर्ड समय में खाली कराकर समतलीकरण एवं अन्य साइट विकास संबंधी कार्य पूरे किए गए। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप निर्धारित समय-सीमा के अंतर्गत निर्माण गतिविधियों को गति प्रदान करना संभव हो सका। पुरानी एवं बंद हो चुकी इकाइयों के स्थान पर स्थापित की जा रही यह 660 मेगावाट क्षमता की अत्याधुनिक सुपरक्रिटिकल इकाई उच्च दक्षता वाली तथा पर्यावरणीय दृष्टि से अधिक अनुकूल तकनीक पर आधारित होगी।

परियोजना के निर्माण चरण की प्रथम प्रमुख उपलब्धि - कार्यपालक निदेशक (उत्पादन) तनवीर अहमद ने कहा की मुख्य बॉयलर क्षेत्र में उत्खनन कार्य की शुरुआत परियोजना के निर्माण चरण

की प्रथम प्रमुख उपलब्धियों में से एक है। आगामी चरणों में बॉयलर एवं अन्य महत्वपूर्ण संरचनाओं की नींव निर्माण एवं कंक्रीट कार्य किए जाएंगे। इसके पश्चात बॉयलर स्टील संरचना की स्थापना, टरबाइन-जनरेटर भवन निर्माण, प्रमुख उपकरणों की स्थापना, विद्युत प्रणालियों एवं सहायक सुविधाओं के कार्य तथा अंत में इकाई का परीक्षण एवं सफल कमीशनिंग किया जाएगा।

भेल कर रहा परियोजना का क्रियान्वयन - मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी द्वारा इस परियोजना के निर्माण, परीक्षण एवं सफल संचालन के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड को अनुबंध के अंतर्गत निर्धारित समय-सीमा में संपूर्ण कार्य संपादित कर जून 2030 तक परियोजना हस्तांतरित करने की जिम्मेदारी दी गई है। सितंबर 2025 में जारी नोटिफिकेशन ऑफ अवार्ड (ह्लह्र) के उपरांत सप्लाई, इरेक्शन एवं सिविल कार्यों से जुड़े सभी तकनीकी एवं संविदात्मक पहलुओं पर दोनों संस्थाओं के मध्य विस्तृत सहमति स्थापित की जा चुकी है। गौरतलब है कि हाल ही में मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी की एक और महत्वाकांक्षी परियोजना सतपुड़ा ताप विद्युत गृह, सारनी में निर्माणाधीन 660 मेगावाट सुपरक्रिटिकल इकाई ने भी महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की है, जहां 10 जून को मुख्य बॉयलर क्षेत्र में प्रथम पीसीसी (प्लेन सीमेंट कंक्रीट) पोर का कार्य प्रारंभ किया गया। कंपनी की दोनों महत्वपूर्ण परियोजनाएं निर्धारित निर्माण चरणों के अनुरूप तीव्र गति से आगे बढ़ रही हैं।

इन दोनों आधुनिक सुपरक्रिटिकल परियोजनाओं की निरंतर प्रगति मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी की समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कंपनी का लक्ष्य निर्धारित समय-सीमा से पूर्व परियोजनाओं को पूर्ण कर प्रदेश को अतिरिक्त विद्युत उत्पादन क्षमता उपलब्ध कराना है, जिससे वर्ष 2030 तक मध्यप्रदेश की ऊर्जा आवश्यकताओं को और अधिक सुदृढ़ आधार मिल सके।

विद्युत संशोधन विधेयक, निजीकरण, कर्नाटक में समानांतर लाइसेंस, एआई डाटा सेंटर एवं कृषि डिस्कॉम के गठन के प्रयासों का विरोध; पुरानी पेंशन योजना बहाली की मांग

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। अखिल भारतीय विद्युत अभियंता महासंघ (ढ्ढक्क्षस्न) की फेडरल एग्जीक्यूटिव की बैठक 12 जून 2026 को बेंगलुरु में सम्पन्न हुई। बैठक में देश के विद्युत क्षेत्र में चल रही निजीकरण एवं सार्वजनिक विद्युत उपक्रमों के विखंडन संबंधी नीतियों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए अनेक महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। महासंघ ने सार्वजनिक स्वामित्व, उपभोक्ता हितों तथा विद्युत कर्मचारियों एवं अभियंताओं के अधिकारों की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

बैठक की अध्यक्षता ढ्ढक्क्षस्न के चेयरमैन श्री शैलेन्द्र दुबे ने की। उद्घाटन सत्र को ढ्ढक्क्षस्न के महासचिव श्री पी. रत्नाकर राव, केईबी इंजीनियर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष इं. बसवन्ना तथा महासचिव इं. चंद्रशेखर देसाई सहित ढ्ढक्क्षस्न के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संबोधित किया। प्रस्तावित विद्युत (संशोधन) विधेयक, 2025 का कड़ा विरोध करते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। महासंघ का मत है कि यह विधेयक एक ही क्षेत्र में अनेक वितरण लाइसेंसधारियों को अनुमति देकर विद्युत वितरण के निजीकरण का मार्ग प्रशस्त करता है। इससे लाभकारी उपभोक्ताओं की चुनिंदा आपूर्ति को बढ़ावा मिलेगा, सार्वजनिक डिस्कॉम कमजोर होंगे, क्रॉस-सब्सिडी व्यवस्था समाप्त होगी तथा आम उपभोक्ताओं एवं किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। महासंघ ने चेतावनी दी कि यदि यह विधेयक संसद के मानसून सत्र में प्रस्तुत किया गया तो देशव्यापी प्रतिरोध आंदोलन चलाया जाएगा। फेडरल एग्जीक्यूटिव ने कर्नाटक विद्युत विनियामक आयोग के समक्ष टाटा पावर द्वारा राज्य के पांचों एस्कॉम क्षेत्रों में 19 जिलों

हेतु दायर समानांतर वितरण लाइसेंस आवेदन का भी कड़ा विरोध किया। साथ ही हरियाणा के गुरुग्राम एवं नूंह क्षेत्रों में इलेवन पावर लिमिटेड जैसी निजी कंपनियों को वितरण लाइसेंस दिए जाने के प्रयासों का भी विरोध किया गया। ढ्ढक्क्षस्न ने इसे निजीकरण का पिछला दरवाजा बताते हुए कहा कि इससे सार्वजनिक वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिति कमजोर होगी और आम उपभोक्ताओं, किसानों एवं कमजोर वर्गों के लिए सस्ती बिजली उपलब्ध कराना कठिन हो जाएगा।

महासंघ ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, हरियाणा तथा अन्य राज्यों में अलग कृषि डिस्कॉम बनाने के प्रस्तावों का भी विरोध किया। ढ्ढक्क्षस्न का मानना है कि यह व्यवस्था तकनीकी रूप से अनुचित, वित्तीय रूप से अस्थिर तथा एकीकृत सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए हानिकारक है। इससे क्रॉस-सब्सिडी व्यवस्था कमजोर होगी, सरकारी सब्सिडी पर निर्भरता बढ़ेगी, लाभकारी औद्योगिक एवं वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को अलग करने का मार्ग प्रशस्त होगा तथा अंततः वितरण क्षेत्र के निजीकरण को बढ़ावा मिलेगा। महासंघ ने राज्यों एवं केंद्र सरकार से सार्वजनिक डिस्कॉम को मजबूत करने की मांग की। आंध्र प्रदेश में गूगल एआई डाटा सेंटर को प्रस्तावित डीम्ड डिस्ट्रीब्यूशन लाइसेंस दिए जाने का भी विरोध किया। महासंघ ने इसे भेदभावपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे राज्य के डिस्कॉम की वित्तीय स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा तथा समान प्रतिस्पर्धा एवं सार्वजनिक हित के सिद्धांतों का उल्लंघन होगा।

फेडरल एग्जीक्यूटिव ने लद्दाख पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट (स्रूक्कष्ठ) के संयुक्त उद्यम एवं निगमकरण (कॉरपोरेटाइजेशन) के प्रस्ताव का भी कड़ा विरोध किया। महासंघ ने कहा कि सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण सीमावर्ती क्षेत्रों की विद्युत परिसंपत्तियां पूर्णतः सार्वजनिक स्वामित्व एवं नियंत्रण में रहनी चाहिए तथा सार्वजनिक धन से निर्मित परिसंपत्तियों को किसी निगमित इकाई को हस्तांतरित नहीं किया जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश में पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण के विरुद्ध चल रहे बिजली कर्मचारियों एवं अभियंताओं के लोकतांत्रिक आंदोलन के प्रति पूर्ण एकजुटता व्यक्त की। महासंघ ने निजीकरण के निर्णय वापस लेने तथा आंदोलन के दौरान कर्मचारियों एवं अभियंताओं पर की गई सभी दमनात्मक एवं उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों को बिना शर्त समाप्त करने की मांग की। महासंघ ने चेतावनी दी कि यदि दमन बढ़ाया गया तो देशव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

फेडरल एग्जीक्यूटिव ने देशभर के विद्युत कर्मचारियों एवं अभियंताओं के लिए पुरानी पेंशन योजना (ह्रक्क्स्) बहाल करने की भी सर्वसम्मति से मांग की। झारखंड एवं राजस्थान में हुए सकारात्मक निर्णयों का स्वागत करते हुए ढ्ढक्क्षस्न ने कहा कि पेंशन कोई अनुग्रह नहीं बल्कि कर्मचारियों का सामाजिक सुरक्षा अधिकार है। जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में कार्य करने वाले विद्युत कर्मियों को सेवानिवृत्ति के बाद सम्मानजनक एवं सुरक्षित जीवन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

: स्पष्ट किया कि बिजली एक आवश्यक सार्वजनिक सेवा है, मात्र व्यावसायिक वस्तु नहीं। महासंघ ने सार्वजनिक स्वामित्व वाली उत्पादन, पारेषण एवं वितरण कंपनियों की रक्षा, उपभोक्ता हितों के संरक्षण, सभी वर्गों को सस्ती एवं विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराने तथा विद्युत कर्मचारियों एवं अभियंताओं के अधिकारों एवं सामाजिक सुरक्षा की रक्षा हेतु राष्ट्रव्यापी संघर्ष जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

हिंदू धर्म में मां गायत्री को वेदों की जननी, ज्ञान और पवित्रता की देवी माना जाता है। मां गायत्री को वेदों की माता, देवमाता और विश्वमाता के रूप में भी जाना जाता है। मां गायत्री को पांच मुख वाली देवी के रूप में दर्शाया गया है। उनके यह पांच मुख पंचतत्वों का प्रतीक है। मां गायत्री की पूजा करने से व्यक्ति को समृद्धि, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। बता दें कि यदि कोई जातक की कोई मनोकामना है, तो उसको पूरा करने के लिए रोजाना गायत्री चालीसा का पाठ करना चाहिए।

कीमत चुकानी पड़ रही

सफल औद्योगिक राष्ट्र वे रहे हैं, जिन्होंने जिस उत्पाद पर ध्यान केंद्रित किया, उसकी पूरी आपूर्ति शृंखला अपने यहां स्थापित की। सफलता का एक सूत्र यह भी है कि उत्पादित वस्तुओं का एक बड़ा घरेलू बाजार भी हो।

दुनिया भर में सेमीकंडक्टर उद्योग इस समय 'मेमफ्लेशन' की चुनौती का सामना कर रहा है। इस शब्द का अर्थ है मेमरी चिप्स की कमी के कारण बढ़ी महंगाई। मेमरी चिप्स की कीमत आसमान पर है, जिससे सेमीकंडक्टर महंगे हो गए हैं। इनका भारी असर उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों- खासकर मोबाइल फोन के उत्पादन पर पड़ा है। भारत के लिए ये घटनाक्रम इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि मेक इन इंडिया और चाइना+1 रणनीति की कोई सफलता अपने देश में है, तो वह मोबाइल फोन की मैनुफैक्चरिंग (अथवा असेंबलिंग) है। हालिया वर्षों में भारत से मोबाइल फोन का निर्यात तेजी से बढ़ा है। मगर साथ ही मोबाइल फोन के पाट-पुर्जों का आयात भी बढ़ा है, जो ज्यादातर चीन, दक्षिण कोरिया या ताइवान जैसे देशों से होता है। जो चीजें बाहर से आती हैं, उनमें मेमरी चिप्स भी हैं। नतीजतन, ताजा ट्रेंड से भारत स्थित कारखानों की मुश्किलें बढ़ी हैं। एक अन्य खबर है कि अमेरिका में आयात शुल्क संबंधी जारी अनिश्चय के कारण भारत से सोलर मॉड्यूल का निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस वर्ष की पहली तिमाही में सिर्फ एक को छोड़कर अमेरिका के लिए बाकी सभी भारतीय कंपनियों का निर्यात शून्य रहा। सोलर पैनल्स पर ट्रंप प्रशासन ने 230 फीसदी टैरिफ लगा रखा है, जबकि भारतीय सौर उद्योग का अमेरिका प्रमुख बाजार है। तो सार यह कि जहां मोबाइल फोन उद्योग आयात निर्भरता के कारण पैदा हुई चुनौती झेल रहा है, वहीं सौर ऊर्जा उद्योग निर्यात निर्भरता संबंधी।

पीओके की जनता को पाकिस्तानी जुल्मों से निजात दिलाने के लिए क्या भारत को सीधे दखल देना चाहिए?

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अब हालात सिर्फ बिगड़ नहीं रहे हैं बल्कि यह इस्लामाबाद के खिलाफ खुले जनविद्रोह का रूप ले चुके हैं। जिन लोगों को पाकिस्तान दशकों से अपने कब्जे का हिस्सा बताकर दुनिया के सामने कश्मीर का झूठा राग अलापता रहा, वही लोग आज सड़कों पर उतरकर उसके दमनकारी चेहरे को बेनकाब कर रहे हैं। आटे पर सब्सिडी, बिजली दरों में कमी, रोजगार, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और नागरिक अधिकारों जैसी बुनियादी मांगों को लेकर शुरू हुआ आंदोलन अब पाकिस्तान की औपनिवेशिक नीतियों के खिलाफ व्यापक जनआक्रोश में बदल चुका है।

जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट आवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में चल रहे इस आंदोलन को कुचलने के लिए पाकिस्तानी सेना, रेंजर्स और पुलिस ने जिस बर्बरता का प्रदर्शन किया है, उसने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाई गईं, लाठीचार्ज हुआ, आंसू गैस के गोले दागे गए और इंटरनेट सेवाएं बंद कर पूरे क्षेत्र को अंधेरे में धकेल दिया गया। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार अब तक दर्जनों नागरिक मारे जा चुके हैं और हजारों गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। रावलाकोट, मीरपुर, कोटली, भीमबर और पुंछ जैसे क्षेत्रों में हालात विस्फोटक बने हुए हैं।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिन लोगों की जमीनों को डुबोकर मंगला बांध बनाया गया, उन्हीं लोगों को आज आसमान छूते बिजली बिल थमाए जा रहे हैं। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को ऊर्जा देने वाला यह विशाल बांध स्थानीय जनता के लिए अभिशाप बन चुका है। हजारों परिवार उजड़ गए, लेकिन पुनर्वास तक नहीं मिला। प्राकृतिक संसाधनों का दोहन पाकिस्तान करता है, लेकिन उसका लाभ स्थानीय जनता को नहीं मिलता। यही कारण है कि यह आंदोलन अब केवल आर्थिक नहीं, बल्कि अस्तित्व और सम्मान की लड़ाई बन गया है। पाकिस्तान ने तथाकथित विधानसभा और संविधान का ढांचा तो खड़ा किया, लेकिन असली सत्ता हमेशा इस्लामाबाद और रावलपिंडी के हाथों में रही। वहां की विधानसभा महज कठपुतली संस्था बनकर रह गई है। हाल ही में आरक्षित सीटों को लेकर आए फैसले ने जनता के गुस्से को और भड़का दिया। इन सीटों के जरिये पाकिस्तान अपनी पसंद की सरकारें थोपता है और कश्मीरी आवाजों को कुचल देता है। यही कारण है कि लोग अब खुलकर कह रहे हैं कि पाकिस्तान उन्हें नागरिक नहीं, गुलाम समझता है।

स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि पाकिस्तान ने संयुक्त आवामी एक्शन कमेटी को प्रतिबंधित कर दिया है। इसके नेताओं के सिर पर इनाम घोषित किए गए हैं। पत्रकारों को गिरफ्तार किया जा रहा है, मीडिया पर सेंसरशिप थोप दी गई है और इंटरनेट बंद कर सच्चाई छिपाने की कोशिश की जा रही है। लेकिन दमन जितना बढ़ रहा है, जनाक्रोश उतना ही उग्र हो रहा है। ब्रिटेन और अमेरिका में बसे कश्मीरी प्रवासियों ने भी पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। यह वही प्रवासी समुदाय है जिसे पाकिस्तान वर्षों तक भारत विरोधी प्रचार के लिए इस्तेमाल करता रहा। मगर अब वही लोग इस्लामाबाद के दमन के खिलाफ दुनिया को सच बता रहे हैं। पाकिस्तानी सेना ने पीओके के लोगों के साथ जो बर्बरता की है उसके खिलाफ गुस्सा इतना ज्यादा है कि लोग नारे लगा रहे हैं कि पाकिस्तानी सेना को कुत्ता कहना कुत्ते की तौहीन है। बाइट। रणनीतिक दृष्टि से देखें तो यह पाकिस्तान के लिए बेहद खतरनाक स्थिति है। यह संकट उसे सीधे 1971 की याद दिला रहा है, जब दमन और सैन्य बल के सहारे पूर्वी पाकिस्तान को दबाने की कोशिश ने अंततः बांग्लादेश के निर्माण का रास्ता खोला था। आज पीओके में भी वही हालात दिखाई दे रहे हैं। जनता का भरोसा टूट चुका है और पाकिस्तान केवल बंदूक के दम पर कब्जा बनाए रखना चाहता है। लेकिन इतिहास गवाह है कि भय के सहारे किसी क्षेत्र को लंबे समय तक नियंत्रित नहीं रखा जा सकता।

उधर, भारत के लिए यह स्थिति सामरिक और कूटनीतिक दोनों दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण है। जमीनी हकीकत यह है कि वैसे तो पूरा जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है लेकिन पीओके में पाकिस्तान का कब्जा अवैध है। अब जब वहां की जनता खुद पाकिस्तान के खिलाफ उठ खड़ी हुई है और भारत के साथ मिलने की बातें मुखर होने लगी हैं तो सवाल उठता है कि भारत को क्या पीओके में सीधे हस्तक्षेप करना चाहिए? इस सवाल पर अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ बंटे हुए नजर आ रहे हैं। कई विश्लेषकों का कहना है कि सीधे हस्तक्षेप की बजाय भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के मानवाधिकार उल्लंघनों को और आक्रामक तरीके से उठाना चाहिए। उनका कहना है कि भारत को संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय देशों और वैश्विक मानवाधिकार संगठनों के सामने यह प्रश्न मजबूती से रखना होगा कि आखिर पाकिस्तान किस नैतिक आधार पर कश्मीर की बात करता है, जब उसके कब्जे वाले क्षेत्र में जनता को जीने तक का अधिकार नहीं है। कुछ विश्लेषकों का यह भी कहना है कि यदि भारत ने पीओके में सीधे हस्तक्षेप किया तो यह सीधे सैन्य दखल के रूप में देखा जायेगा और यह दो परमाणु शक्तियों के बीच संघर्ष का खतरा बढ़ा सकता है। वैसे भी पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवाद और उकसावे की नीति अपनाता रहा है इसलिए वह किसी भी प्रत्यक्ष कार्रवाई को युद्ध का बहाना बना सकता है। इसलिए भारत को अत्यंत संतुलित लेकिन दृढ़ रणनीति अपनानी होगी।

विश्लेषकों का कहना है कि भारत के पास कई विकल्प हैं। जैसे पीओके की जनता के साथ मानवीय और सामाजिक संपर्क बढ़ाना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान को घेरना, सीमा पर सुरक्षा और सतर्कता बढ़ाना क्योंकि पाकिस्तान ध्यान भटकाने के लिए आतंकवादी घुसपैठ बढ़ा सकता है। साथ ही पीओके के लोगों के लिए राजनीतिक संदेश देना होगा कि भारत उन्हें अपना नागरिक मानता है और उनके अधिकारों के साथ खड़ा है।

गृहिणी राष्ट्रनिर्माता है तो हिंसा की शिकार क्यों?

भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के दावे लंबे समय से किए जाते रहे हैं। उन्हें 'आधी आबादी' और विकास की समान भागीदार कहा जाता है। शिक्षा, रोजगार, राजनीति और नेतृत्व के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जाती हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की प्रतिबद्धता जताई जाती है। सरकारें महिला सशक्तीकरण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करती हैं और समाज भी महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करता है। लेकिन इन सबके बीच कुछ ऐसे तथ्य सामने आते हैं, जो हमें इस सशक्तीकरण के वास्तविक स्वरूप पर पुनर्विचार करने के लिए विवश करते हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें 'नेशन बिल्डर' अर्थात् राष्ट्रनिर्माता कहा। न्यायालय ने यह भी माना कि घरेलू कार्यों और परिवार की देखभाल में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले श्रम का आर्थिक मूल्य है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण क्षेत्रों की प्रत्येक चौथी तथा शहरी क्षेत्रों की प्रत्येक छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती है। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है।

सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय भारतीय समाज में महिलाओं के अवैतनिक श्रम को मान्यता देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सदियों से गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों को केवल कर्तव्य या प्रेम का विस्तार मान लिया गया। घर की सफाई, भोजन बनाना, बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की सेवा, परिवार के स्वास्थ्य और संस्कारों की रक्षा, घरेलू प्रबंधन और सामाजिक संबंधों का निर्वहन-इन सभी कार्यों को महिलाओं का स्वाभाविक दायित्व माना गया। परिणामस्वरूप उनके श्रम को कभी आर्थिक दृष्टि से नहीं आंका गया।

पीएम स्वनिधि योजना: पथ विक्रेताओं के सशक्तिकरण और वित्तीय समावेशन की परिवर्तनकारी यात्रा

मनोहर लाल

भारत में शहरीकरण तीव्र गति से बढ़ रहा है। अनुमान है कि वर्ष 2050 तक देश की लगभग 50 प्रतिशत आबादी शहरी क्षेत्रों में निवास करेगी। वर्तमान में शहरी कार्यबल का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़ा है, जो शहरी अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। इस अनौपचारिक क्षेत्र में पथ विक्रेताओं की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय है। फल, सब्ज़ियाँ, चाय, नाश्ता, कपड़े तथा दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुएँ उपलब्ध कराने वाले ये लाखों विक्रेता न केवल करोड़ों नागरिकों के जीवन को सुगम बनाते हैं, बल्कि शहरी अर्थव्यवस्था को भी सशक्त करते हैं। इसके बावजूद, लंबे समय तक उनकी औपचारिक बैंकिंग और ऋण तक पहुँच सीमित रही। क्रेडिट हिस्ट्री के अभाव में उन्हें अक्सर ऊँची ब्याज दरों पर अनौपचारिक ऋण लेना पड़ता था, जिससे उनकी आय का बड़ा हिस्सा ऋण चुकाने में खर्च हो जाता था।

भारतीय पथ विक्रेता बदलती वैश्विक परिस्थितियों और विभिन्न आर्थिक व्यवधानों के बीच भी अपनी दृढ़ता और संघर्षशीलता के लिए जाने जाते हैं। पीएम स्वनिधि ने उनकी इस उद्यमशीलता को नई ऊर्जा प्रदान की है। यह केवल ऋण उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रही, बल्कि सम्मान, पहचान और नए अवसरों का एक सशक्त माध्यम बनी है।

योजना की सफलता का प्रमुख आधार सरकार का समग्र दृष्टिकोण रहा, जिसमें केंद्र, राज्य, शहरी स्थानीय निकायों और बैंकिंग संस्थानों के समन्वित प्रयासों ने इसे देशभर अभूतपूर्व रूप से पहुँचाया तथा उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किये। इस योजना के अंतर्गत लाखों विक्रेताओं के बैंक खाते सक्रिय हुए, उनका वित्तीय व्यवहार दर्ज होने लगा और पहली बार उनके लिए एक औपचारिक क्रेडिट हिस्ट्री का निर्माण हुआ। इससे भविष्य में और अधिक ऋण तथा वित्तीय सेवाओं तक उनकी पहुँच आसान हुई और वे आज बैंक के सम्मानित ग्राहक और उद्यमी के रूप में उभरे हैं। इस योजना का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू डिजिटल सशक्तिकरण है। यूपीआई और क्यूआर-कोड आधारित भुगतान को बढ़ावा देने के लिए कैशबैक प्रोत्साहन की व्यवस्था की गई है। इस पहल ने अभी तक 55 लाख विक्रेताओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ा, उनके लेन-देन को पारदर्शी बनाया और उनकी वित्तीय साख को मजबूत किया है।

योजना की सोच केवल व्यवसाय तक सीमित नहीं रही। 'स्वनिधि से समृद्धि' पहल के माध्यम से लाभार्थियों और उनके परिवारों को भारत सरकार की आठ प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा गया। अब तक 50 लाख से अधिक पथ विक्रेता परिवारों की प्रोफाइलिंग की जा चुकी है तथा इन योजनाओं के अंतर्गत 1.52 करोड़ से अधिक लाभ स्वीकृत किए जा चुके हैं। पेंशन, बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा जैसी सुविधाओं तक पहुँच प्रदान कर यह पहल पथ विक्रेताओं और उनके परिवारों के लिए एक व्यापक सामाजिक सुरक्षा तंत्र का माध्यम बनी है। इसके अतिरिक्त एफएसएसएआई के सहयोग से खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता संबंधी प्रशिक्षण भी प्रदान किए गए हैं, जिससे विशेष रूप से स्ट्रीट फूड विक्रेताओं की गुणवत्ता, स्वच्छता और ग्राहक विश्वास में वृद्धि हुई है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी योजना का योगदान उल्लेखनीय रहा है। कुल लाभार्थियों में लगभग 46 प्रतिशत महिलाएँ हैं। इससे उनकी आय, सामाजिक प्रतिष्ठा और पारिवारिक निर्णयों में भागीदारी बढ़ी है।

जगद्गुरु आदि शंकराचार्य द्वारा रचित दिव्य एवं कल्याणकारी 'वेदसार शिव स्तव'

सनातन धर्म की आध्यात्मिक परंपरा में भगवान शिव को सृष्टि के आदिकारण, पालनकर्ता और संहारकर्ता के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है. वे केवल देवों के देव महादेव ही नहीं, बल्कि समस्त चराचर जगत में व्याप्त उस परम चेतना के प्रतीक हैं, जिन्हें वेदों, उपनिषदों और पुराणों ने विभिन्न स्वरूपों में महिमामंडित किया है. आदि गुरु द्वारा रचित 'वेदसार शिव स्तव' भगवान शिव की उसी वेदमय, निराकार एवं विश्वरूप सत्ता का अद्भुत स्तुतिगान है. यह स्तोत्र शिव के केवल लौकिक स्वरूप का वर्णन नहीं करता, बल्कि उन्हें परब्रह्म, ओंकारस्वरूप, सृष्टि के मूल बीज तथा समस्त कारणों के कारण के रूप में स्थापित करता है. इसमें भगवान शिव के पशुपति, विश्वनाथ, त्रिनेत्र, नीलकंठ और शंभु जैसे विविध दिव्य स्वरूपों की महिमा का वर्णन करते हुए यह बताया गया है कि सम्पूर्ण सृष्टि उन्हीं से उत्पन्न होती है, उन्हीं में स्थित रहती है और अंततः उन्हीं में विलीन हो जाती है... वेदसार शिवस्तव ..

मध्य वर्ग का सफर: नीतियों से मिलती प्रगति 12 साल विश्वास के, विकास के, जन कल्याण के

भारत का सामाजिक-आर्थिक चेहरा बदल रहा है। इस बदलाव के केंद्र में आगे बढ़ता और आत्मविश्वास से लबरेज मध्य वर्ग है। इस तबके को एक समय में सतर्क खर्च और सीमित विकल्पों के लिए जाना जाता था। लेकिन आज मध्य वर्ग के परिवार ज्यादा सुरक्षा, अवसर और आकांक्षा की अनुभूति कर रहे हैं। पिछले 12 वर्षों में कराधान, स्वास्थ्यसेवा, आवासन, डिजिटल सेवाओं, अवसंरचना, शिक्षा और उद्यमिता में सुधारों से रोजमर्रा का जीवन ज्यादा किफायती और सुविधाजनक हो गया है। बेहतर कनेक्टिविटी, सेवाओं तक आसान पहुंच, किफायती आवास, सामाजिक सुरक्षा में वृद्धि और डिजिटल सशक्तीकरण से सुख-साधनों और आत्मविश्वास में इजाफा हुआ है। आय में वृद्धि और अवसरों के विस्तार के साथ भारत का मध्य वर्ग अब खुद को सिर्फ बदलाव के अनुरूप ढाल ही नहीं रहा बल्कि राष्ट्र के विकास, महत्वाकांक्षा और भविष्य की संपन्नता में सक्रिय योगदान कर रहा है।

सशक्त और विकासमान: भारत का नया मध्य वर्ग

एक समय भारत के मध्य वर्ग को उसके सतर्क खर्चों, सीमित विकल्पों और छोटी महत्वाकांक्षाओं से पहचाना जाता था। आज यह वास्तविकता बदल चुकी है। बढ़ती आय, डिजिटल पहुंच और फैलते अवसरों के साथ ही आकांक्षाएं उपलब्धियों में बदल रही हैं। भारतीय समाज का यह तबका सरकार के समर्थन से लगातार सशक्त हो रहा है। वर्ष 2014 से आयकर छूट सीमाओं में रिकॉर्ड वृद्धि से लेकर जीएसटी सुधारों तक से उसकी बचत और खर्च करने योग्य आय बढ़ी है। अब यह मध्य वर्ग ज्यादा आत्मविश्वास के साथ सशक्त होकर भारत की विकास गाथा के केंद्र में खड़ा है।

किसे कहते हैं मध्य वर्ग?

मध्य वर्ग की परिभाषा क्रय शक्ति, शिक्षा के स्तर, सामाजिक सेवाओं और धन की अवधारणा के हिसाब से विभिन्न देशों के लिए अलग-अलग है। इस संबंध में विश्व बैंक के पैमाने को व्यापक तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। विश्व बैंक प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआइ) के आधार पर हर वर्ष अर्थव्यवस्थाओं का वर्गीकरण करता है। वित्त वर्ष 2026 के लिए देशों की आय का वर्गीकरण इस प्रकार है-

निम्न आय: 1135 डॉलर या इससे कम

निम्न मध्य आय: 1136 डॉलर से 4495 डॉलर तक

उच्च मध्य आय: 4496 डॉलर से 13935 डॉलर तक

उच्च आय: 13935 डॉलर से अधिक

यह वर्गीकरण वैश्विक अर्थव्यवस्था के अंदर मध्य वर्ग समेत आय समूहों के निर्धारण के लिए फ्रेमवर्क मुहैया कराता है।

भारतीय मध्य वर्ग का बदलता चेहरा

2010 में विश्व में मध्य वर्ग की आबादी का ज्यादातर हिस्सा आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) की अर्थव्यवस्थाओं में रहता था मगर इसमें तेजी से बदलाव आया है।

15 जून को बन रहा महासंयोग, सोमवती अमावस्या से खत्म होगा अधिकमास, 19 से फिर बजेगी शहनाई

गत 17 मई से शुरू हुए एक माह के अधिकमास का समापन 15 जून को सोमवती अमावस्या के महासंयोग से हो रहा है। धार्मिक और सामाजिक लिहाज से 15 जून से लेकर 19 जून तक (पांच दिन) में चार बड़े संयोग होने जा रहे हैं। अभी दो ज्येष्ठ मास होने से 59 दिनों का विशेष महीना चल रहा है, जिसमें अधिकमास के केवल तीन दिन शेष हैं।

सोमवार को साल की पहली सोमवती अमावस्या स्नान-दान और पूजा-पाठ के लिए महा पुण्यदायी है। इसके अगले दिन 16 जून से शुद्ध ज्येष्ठ मास शुरू होगा और 19 जून से शहनाइयों की गूंज के साथ मांगलिक कार्यों की वापसी हो जाएगी। इस पूरे ज्येष्ठ महीने का पूर्ण समापन 29 जून को पुनः सोमवार और पूर्णिमा के दुर्लभ संयोग के साथ होगा। इस मौके पर पवित्र नदियों में स्नान-दान पुण्यकारी रहेगा।

अधिकमास को पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है

भगवान विष्णु को समर्पित अधिकमास को पुरुषोत्तम मास भी कहते हैं। तीन साल में एक बार आने वाला यह मास इसके पूर्व वर्ष 2023 में था। तब से अब तक शहर के मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान चल रहे हैं और भक्तों द्वारा विभिन्न धार्मिक साधनाएं की जा रही हैं। अधिकमास शुरू होते ही विवाह आदि मांगलिक कार्य बंद हो गए थे, जिनकी शुरुआत इसके समापन के बाद होगी।

ग्रामीण विकास को नई गति देगा 'बीवी-जी राम-जी' मिशन

भारत सरकार द्वारा ग्रामीण विकास की अवधारणा को जमीनी स्तर पर साकार करने तथा ग्रामीण नागरिकों के जीवन यापन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी दिशा में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का आधुनिकीकरण करते हुए इसे 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' अर्थात 'बीवी-जी राम-जी' नाम दिया गया है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य केवल रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाना भी है। ग्रामीण विकास की इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत रोजगार के पारंपरिक स्वरूप को व्यापक आयाम प्रदान किए गए हैं। योजना में ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की आय के स्रोतों को सुरक्षित और सशक्त बनाने के साथ साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर विकसित करने पर विशेष बल दिया गया है। यह योजना 1 जुलाई 2026 से पूरे देश में लागू होगी और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत करेगी।

सरकार की किसी भी जनकल्याणकारी योजना की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसका लाभ अंतिम पात्र व्यक्ति तक कितनी पारदर्शिता और सहजता से पहुँचता है। बीवी-जी राम-जी मिशन के तहत न केवल 125 दिनों के रोजगार की गारंटी का प्रावधान किया गया है, बल्कि ग्रामीण नागरिकों की रुचि और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप आजीविका के विविध अवसरों को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित उत्पादों, हस्तशिल्प और पारंपरिक कलाओं को निखार कर उन्हें बाजार से जोड़ने का प्रयास भी इस योजना का महत्त्वपूर्ण हिस्सा बताया जा रहा है। इस नई योजना में रोजगार के साथ-साथ ग्रामीण आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर दिया गया है। कृषि क्षेत्र में जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जल संरक्षण संबंधी कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त ग्रामीण सड़कें, सार्वजनिक भवन, विद्यालय, स्वच्छता व्यवस्था तथा ग्रामीण ऊर्जा से जुड़े विकास कार्य भी योजना के दायरे में शामिल किए गए हैं। बताया जा रहा है कि योजना के क्रियान्वयन में राज्यों की भागीदारी बढ़ाने के लिए राज्य सरकारों को भी 40 प्रतिशत व्यय वहन करना होगा।

आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दृष्टि से रोजगार अवधि को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन किए जाने का प्रस्ताव उल्लेखनीय है। साथ ही मजदूरी भुगतान की समय-सीमा निर्धारित करने की व्यवस्था भी श्रमिकों के हित में एक सकारात्मक कदम मानी जा सकती है। ग्राम पंचायतों को स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर कार्यों के चयन, कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी तथा महिला सहभागिता सुनिश्चित करने जैसे विशेष अधिकार दिए जाने की बात भी कही गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल विकास और रोजगारोन्मुख गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा रोजगार की तलाश में होने वाले पलायन में कमी आने की संभावना है। हालांकि यह भी एक कटु सत्य है कि देश की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना भी भ्रष्टाचार और अनियमितताओं से पूरी तरह अछूती नहीं रह सकी। अनेक स्थानों पर जहां श्रमिकों को रोजगार मिलना चाहिए था, वहाँ मशीनों से कार्य कराकर औपचारिकताएं पूरी कर दी गईं। पश्चिम बंगाल सहित कुछ राज्यों में मनरेगा कार्यों के केवल कागजों पर संचालित होने के मामले सामने आए हैं। ऐसे में यह मानने का कोई कारण नहीं है कि अन्य राज्यों में भी कहीं न कहीं इसी प्रकार की अनियमितताएँ नहीं हुई होंगी। कई बार जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही अथवा प्रभावशाली लोगों के दबाव के कारण वास्तविक पात्रों की अपेक्षा अन्य लोगों को अधिक लाभ मिला।

ऐसी परिस्थितियों में केंद्र सरकार का यह दावा महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि बीवी-जी राम-जी मिशन की निगरानी अत्याधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित प्रणाली के माध्यम से की जाएगी। यदि पारदर्शिता, जवाबदेही और तकनीकी निगरानी का प्रभावी समन्वय सुनिश्चित किया जाता है, तो भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में निश्चित रूप से सहायता मिल सकती है। ग्रामीण भारत देश की आत्मा है। यदि ग्रामीण नागरिकों को सम्मानजनक रोजगार, बेहतर आधारभूत सुविधाएँ और आत्मनिर्भर आजीविका के अवसर उपलब्ध होते हैं, तो विकसित भारत का सपना भी साकार होने की दिशा में आगे बढ़ेगा। अपेक्षा की जानी चाहिए कि ग्रामीण विकास की यह महत्वाकांक्षी पहल वास्तव में जरूरतमंद और पात्र लोगों तक पहुँचे तथा महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करे।

अरविंद रावल

गोपाल कॉलोनी, झाबुआ (म.प्र.)

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि: को दिन की शुरुआत थोड़ी भागदौड़ के साथ हो सकती है। सुबह कोई ऐसा काम सामने आ सकता है जिसे आप बाद के लिए छोड़ते आ रहे थे, लेकिन आज उसे टालना आसान नहीं होगा।

वृषभ राशि: गुरुवार का दिन आपको बार-बार यह याद दिला सकता है कि हर काम अपनी रफ्तार से ही पूरा होता है। सुबह किसी ऐसी बात पर ध्यान जा सकता है जिसे आप पिछले कुछ दिनों से टाल रहे थे।

मिथुन राशि: आपका दिन किसी खबर, संदेश या अचानक हुई बातचीत के इर्द-गिर्द घूम सकता है। सुबह से ही मन एक जगह टिकने के बजाय कई बातों में उलझा रह सकता है। एक काम करते-करते दूसरा विचार दिमाग में आ जाएगा और फिर तीसरा।

कर्क राशि: गुरुवार को आपका ध्यान बार-बार उन बातों पर जा सकता है जिन्हें आप पीछे छोड़ चुके हैं। कोई पुरानी याद, किसी रिश्तेदार की खबर या अचानक हुई बातचीत मन में हलचल पैदा कर सकती है।

सिंह राशि: आपको लोगों के बीच अलग पहचान दिला सकता है। ऐसा नहीं कि कोई बहुत बड़ी घटना होने वाली है, लेकिन आज आपकी कही हुई बातों और किए गए कामों पर लोगों का ध्यान जरूर जाएगा।

कन्या राशि: आप किसी ऐसी बात पर जरूरत से ज्यादा सोच सकते हैं जिसे बाकी लोग बहुत सामान्य मान रहे हों। आपकी आदत है कि किसी भी काम को शुरू करने से पहले उसके हर पहलू को समझना चाहते हैं,

तुला राशि: रिश्तों और बातचीत के मामले में खास रह सकता है। किसी ऐसे व्यक्ति का संदेश या फोन आ सकता है जिससे काफी समय से संपर्क नहीं हुआ था। यह बातचीत भले कुछ मिनटों की हो, लेकिन आपका मूड बदलने के लिए काफी होगी।

मकर राशि: आपका ध्यान उन कामों पर रहेगा जिन्हें आप अधूरा छोड़ना पसंद नहीं करते। सुबह से ही मन में यह भावना रह सकती है कि आज जितना हो सके, उतना काम निपटा लिया जाए। कुछ लोग आपको जरूरत से ज्यादा गंभीर भी समझ सकते हैं, लेकिन फिलहाल आपका फोकस अपने लक्ष्य पर रहेगा, लोगों की राय पर नहीं।

वृश्चिक राशि:आपके लिए कुछ पुराने सवालों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने का संकेत दे रहा है। सुबह किसी बात को लेकर मन थोड़ा उलझ सकता है। कोई पुरानी याद, अधूरी बातचीत या किसी व्यक्ति का व्यवहार आपको कुछ देर तक सोचने पर मजबूर कर सकता है।

धनु राशि: शुरुआत किसी अधूरे विचार या पुराने इरादे के साथ हो सकती है। पिछले कुछ दिनों से आप जिस बात को सोच रहे थे, आज उस पर दोबारा ध्यान जा सकता है।

कुंभ राशि: आज का दिन आपको किसी बात को नए नजरिए से देखने का मौका दे सकता है। सुबह जिस बात को लेकर मन में उलझन होगी, वही दोपहर तक काफी सरल लगने लगेगी।

मीन राशि: आपका मन बार-बार यादों और वर्तमान के बीच आता-जाता रह सकता है। कोई पुराना गीत, तस्वीर या किसी व्यक्ति का जिक्र अचानक बीते हुए समय की तरफ ले जा सकता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने पड़ोसी देश पाकिस्तान को लेकर एक बड़ा और बेहद महत्वपूर्ण बयान दिया है। केरल के तिरुवनंतपुरम में संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के दौरान उन्होंने साफ किया कि पाकिस्तान की सरकार को लेकर संघ का रुख बिल्कुल वही रहेगा, जो भारत सरकार की आधिकारिक नीति है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वहां के आम नागरिकों के साथ बातचीत के दरवाजे हमेशा खुले रहने चाहिए।

पेपर लीक विवाद : कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ की देशव्यापी अभियान की घोषणा, 17 जून से होगी शुरुआत

नई दिल्ली ,(आरएनएस) । कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर देशव्यापी अभियान के पहले चरण की घोषणा की है। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने जानकारी दी कि कांग्रेस 17 जून को राजस्थान के कोटा से इसकी शुरुआत करेगी। केसी वेणुगोपाल ने अपने बयान में कहा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के मार्गदर्शन और राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, बेरोजगारी और सरकार की ओर से भारत के युवाओं के साथ लगातार हो रहे धोखे के बढ़ते संकट के खिलाफ एक देशव्यापी अभियान के पहले चरण की घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारत के छात्रों और युवाओं के लिए सबसे भरोसेमंद और विश्वसनीय आवाज बनकर उभरे हैं। वे छात्रों, युवा संगठनों, शिक्षकों और परीक्षा घोटालों से सीधे प्रभावित सभी लोगों को एक साथ लाने के लिए बड़े छात्र सम्मेलनों की एक श्रृंखला आयोजित करेंगे। इसकी शुरुआत कोटा (17 जून), इलाहाबाद (10 जुलाई), पटना (11 जुलाई) और दिल्ली (14 जुलाई) से होगी। यह अभियान उन लाखों युवा भारतीयों की मुश्किलों को उजागर करेगा जिनका भविष्य पेपर लीक, परीक्षा की बढ़ती लागत और निष्पक्ष व पारदर्शी भर्ती और शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने में सरकार की विफलता के कारण बार-बार खतरे में पड़ रहा है।

वेणुगोपाल ने कहा कि देशव्यापी अभियान के तहत, पार्टी देशभर में एनएसयूआई, यूथ कांग्रेस, पीसीसी, डीसीसी और स्थानीय इकाइयों के माध्यम से बड़े पैमाने पर छात्रों तक पहुंचकर राहुल गांधी के आह्वान को दोहराएगी। फिजिकल और डिजिटल निमंत्रण, कैंपस में संपर्क, कोचिंग सेंटरों, विश्वविद्यालयों, स्कूलों और युवा केंद्रों पर बातचीत, सोशल मीडिया अभियान, लाइव स्क्रीनिंग और छात्रों के साथ सीधे संवाद का काम बड़े पैमाने पर किया जाएगा।

कांग्रेस नेता ने अपने बयान में कहा, राहुल गांधी के इस दृढ़ विश्वास को ध्यान में रखते हुए कि युवा भारतीयों की उम्मीदों की बलि भ्रष्टाचार, अक्षमता या राजनीतिक उदासीनता की वजह से नहीं दी जानी चाहिए, यह आंदोलन छात्रों को राजनीतिक जुड़ाव से ऊपर उठकर एकजुट करने और प्रभावित युवाओं को अपने अनुभव साझा करने तथा बार-बार परीक्षा की विफलताओं और पेपर लीक घोटालों के लिए जवाबदेही की मांग करने के लिए एक मंच प्रदान करने का प्रयास करेगा।

उन्होंने आगे कहा, यह आंदोलन विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से पहले उठाई गई मांगों को सड़कों पर लाएगा, जिसमें नीट का विकेंद्रीकरण, परीक्षा शुल्क खत्म करना, पेपर लीक रैकेट में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे सहित सरकार के उच्चतम स्तरों पर जवाबदेही तय करना शामिल है।

केसी वेणुगोपाल ने कहा कि इन मुद्दों को बार-बार उठाकर राहुल गांधी ने योग्यता, निष्पक्षता और हमारे युवाओं के लिए समान अवसर की उपलब्धता की रक्षा को राष्ट्रीय महत्व का एक अहम मुद्दा बना दिया है। इसलिए, कांग्रेस पार्टी भारत के युवाओं के सामने मौजूद संकट पर संसद में व्यापक चर्चा की मांग करेगी और उनके हितों, अधिकारों और भविष्य की रक्षा के लिए विधायी उपायों की वकालत करेगी।

भारत अब हवा में ही ढेर करेगा दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइल, डीआरडीओ ने हासिल की उपलब्धि

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत ने अपनी रणनीतिक मिसाइल रक्षा प्रणाली को लेकर अहम कामयाबी हासिल की है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बहुस्तरीय बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा (बीएमडी) प्रणाली का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। 10 और 11 जून को किए गए लगातार 3 परीक्षणों में भारत की मल्टी-लेयर्ड बीएमडी प्रणाली ने अपने लक्ष्यों को सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया है। इसी के साथ भारत अब उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जिनके पास ये क्षमता है।

लखनऊ के इको गार्डन में, कथित परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शन को कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके संबोधित करते हुए ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के उप-रा%यपाल मनोज सिन्हा और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ नई दिल्ली में एक बैठक के दौरान श्री अमरनाथ जी यात्रा की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की गरिमामई उपस्थिति में आईएमए की पासिंग आउट परेड सम्पन्न

देहरादून (आरएनएस)। देश की राष्ट्रपति एवं सशस्त्र सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर श्रीमती द्रौपदी मुर्मू आज देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में आयोजित पासिंग आउट परेड (पीओपी) में मुख्य अतिथि एवं समीक्षा अधिकारी के रूप में शामिल हुईं। राष्ट्रपति ने भारतीय सैन्य अकादमी के 158वें नियमित तथा 141वें तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम की भव्य पासिंग आउट परेड की समीक्षा की और नवप्रशिक्षित सैन्य अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने पास आउट होने वाले कैडेट्स को भारत माता की रक्षा के लिए कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सैन्य अधिकारी केवल देश की सीमाओं के प्रहरी ही नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के विश्वास, सम्मान और आकांक्षाओं के भी संरक्षक हैं।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि- इस वर्ष की पासिंग आउट परेड की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता 9 महिला कैडेटों का सफलतापूर्वक पास आउट होना रहा। भारतीय सैन्य अकादमी के इतिहास में यह एक ऐतिहासिक पड़ाव है, जो महिला-नेतृत्व वाले विकास तथा सशक्त भारत की अवधारणा को नई ऊर्जा प्रदान करता है।

वैश्विक रक्षा सहयोग का सशक्त प्रतीक- परेड में 481 भारतीय कैडेटों के साथ 16 मित्र देशों के 34 विदेशी कैडेट भी पास आउट हुए। राष्ट्रपति ने इसे भारत की वैश्विक मित्रता, आपसी विश्वास तथा अंतरराष्ट्रीय रक्षा सहयोग के बढ़ते आयामों का प्रतीक बताया।

भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने का आह्वान- राष्ट्रपति ने कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य और तकनीकी प्रगति के इस दौर में भारतीय सेना को निरंतर नवाचार, आधुनिकता और अनुकूलनशीलता के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने युवा अधिकारियों से अग्रिम मोर्चे से नेतृत्व करने, उच्च नैतिक मूल्यों का पालन करने तथा सैनिकों के कल्याण और सैन्य प्रभावशीलता के बीच संतुलन स्थापित करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, भारतीय सैन्य अकादमी के समादेशक लेफ्टिनेंट जनरल नागेन्द्र सिंह सहित सैन्य एवं नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, गणमान्य अतिथि तथा बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनकर नवप्रशिक्षित अधिकारियों का उत्साहवर्धन किया। राष्ट्रपति ने सभी नव नियुक्त सैन्य अधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे राष्ट्र की सुरक्षा, सम्मान और अखंडता की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

वायुसेना के कैडेट्स को राजनाथ सिंह का मंत्र, आधुनिक युद्ध पर दिया जोर

हैदराबाद,(आरएनएस)। समकालीन और आधुनिक युद्ध कला के बदलते तौर-तरीकों के बीच देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय वायुसेना के युवा जांबाजों को आने वाले समय की जटिल सैन्य चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तरह मुस्तैद रहने का आह्वान किया है। तेलंगाना के हैदराबाद स्थित प्रतिष्ठित एयर फोर्स अकादमी में आयोजित 217वें कोर्स की कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड (सीजीपी) को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करते हुए उन्होंने नए अधिकारियों को एडाप्ट, अडॉप्ट और अमेंड (परिस्थितियों के अनुकूल बनना, नई तकनीकों को अपनाना और नीतियों में सुधार करना) का मूलमंत्र दिया। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि आज के दौर में युद्ध का मैदान केवल लड़ाकू विमानों, तोपों या थल सैनिकों तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि ड्रोन, सैटेलाइट इमेजरी, एडवांस्ड सेंसर, रोबोटिक्स और साइबर डोमेन जैसी अत्याधुनिक तकनीकों ने इसका पूरा ढांचा ही बदल कर रख दिया है। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में वायुसेना के स्वर्णिम इतिहास को रेखांकित करते हुए कहा कि देश की संप्रभुता की रक्षा में इस बल की भूमिका हमेशा से ढाल और तलवार दोनों जैसी रही है। उन्होंने वर्ष 1947-48 के कश्मीर संघर्ष के दौरान किए गए

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार अजय कुमार सूद और शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में %भारत इनोवेट्स% के लिए रणनीतिक दस्तावेज़ लॉन्च किए।

आतंकवाद को संरक्षण देने वालों को नहीं मिलेगा सिंधु नदी का पानी,'राजनाथ सिंह का पाकिस्तान को सख्त संदेश

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि भारत आतंकवाद को संरक्षण देने वालों तक सिंधु नदी का पानी नहीं पहुंचने देगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद पूरी तरह बंद नहीं करता, तब तक सिंधु जल संधि (द्धद्धज्ञ) निलंबित ही रहेगी। रक्षा मंत्री हैदराबाद में आयोजित एक 'बुद्धिजीवी सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर', पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद सिंधु जल संधि को निलंबित किए जाने का उल्लेख किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए भारत ने दुनिया को यह दिखा दिया है कि जो लोग शांति और सद्भाव की भाषा नहीं समझते, उन्हें जवाब देना भी भारत अच्छी तरह जानता है। उन्होंने कहा, पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित कर हमने साफ संदेश दिया है कि जिनके आंसू सूख चुके हैं, उन्हें हमसे पानी की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। हम सिंधु नदी का पानी आतंकवादियों और मानवता के दुश्मनों के संरक्षकों तक नहीं पहुंचने देंगे।

रक्षा मंत्री का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस टिप्पणी की पुनरावृत्ति माना जा रहा है,

दल बदलने वालों पर आदित्य ठाकरे का प्रहार, कहा- अवसरवादियों की राजनीति ज्यादा दिन नहीं चलती

मुंबई ,(आरएनएस)। शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता आदित्य ठाकरे ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर बगावत का बिगुल फूंकने वाले जनप्रतिनिधियों पर तीखा हमला बोला है। अपनी पार्टी में हुए पिछले विभाजन का दर्द साझा करते हुए उन्होंने विद्रोहियों को कायर और एहसानफरामोश करार दिया। उन्होंने कहा कि जो लोग पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रति वफादार नहीं रह सके, वे अब दल छोड़कर भाग रहे हैं। ठाकरे ने शुक्रवार को बागी नेताओं को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि ये लोग पार्टी और ममता दीदी के योगदान को भूल चुके हैं। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली शिकस्त के बाद टीएमसी के विधायकों और सांसदों के एक बड़े धड़े ने बगावत कर दी है और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की कार्यशैली तथा सांगठनिक फैसलों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। तृणमूल कांग्रेस के भीतर यह अंदरूनी कलह उस समय दिल्ली तक पहुंच गई, जब पार्टी की मुख्य सचेतक काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में लोकसभा के 20 सांसदों ने स्पीकर ओम बिरला को एक औपचारिक पत्र सौंपा। इस पत्र में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को समर्थन देने वाले एक पृथक गुट के रूप में मान्यता देने की मांग की, जिसने संसदीय दल को दो धड़ों में बांट दिया है। इसके साथ ही राज्यसभा के तीन सांसदों ने भी अपने पदों से त्यागपत्र दे दिया है।

ओमान की खाड़ी में क्या एक और जहाज पर हुआ हमला? विदेश मंत्रालय ने बताई सच्चाई

नईदिल्ली (आरएनएस)। विदेश मंत्रालय ने उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें दावा किया गया था कि ओमान की खाड़ी में एक और जहाज लियाकी फ्रीडम पर हमला हुआ है। मंत्रालय ने पुष्टि की कि जहाज पर सवार सभी चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। दरअसल, सोशल मीडिया और कई मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाज एमटी लियाकी फ्रीडम पर हमला हुआ है, जिसमें 4 नाविकों की मौत हो गई है।

विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हमने लियाकी फ्रीडम नामक जहाज के मास्टर से बात की है, जिन्होंने पुष्टि की है कि सभी चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं और रिपोर्ट की गई जानकारी झूठी है। वहीं, जहाजरानी महानिदेशालय से जुड़े हुए सूत्रों के मुताबिक, जहाज के मालिक से संपर्क किया गया, जिन्होंने पुष्टि की कि जहाज पर सवार चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं और 4 नाविकों की मौत के संबंध में जानकारी गलत है।

पश्चिम बंगाल के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कोलकाता के बिस्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की पिछले 12 वर्षों की उपलब्धियों को दिखाने वाली एक प्रदर्शनी का दौरा किया।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु से मुलाकात की।

जहाजों पर हमले को लेकर विदेश मंत्री जयशंकर ने मार्को रूबियो से की बात, जताया विरोध

नई दिल्ली,(आरएनएस)। ओमान की खाड़ी में जहाजों पर हुए हमलों में 3 भारतीयों के मौत के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो से बात की है। इस दौरान जयशंकर ने हमलों की निंदा करते हुए कड़ा विरोध जताया। विदेश मंत्री ने इसकी जानकारी देते हुए कहा, मैंने खाड़ी में अमेरिकी नौसेना के हमलों पर भारत का कड़ा विरोध दोहराया है। इसमें 3 भारतीय नाविक मारे गए। वाणिज्यिक जहाजों के खिलाफ ऐसी जानलेवा कार्रवाई सही नहीं है।

घटना के बाद विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन और चार्ज डीअफेयर्स जेसन मीक्स को दूसरी बार तलब किया था। भारत ने वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमलों को बेहद चिंताजनक बताते हुए इस मुद्दे को अमेरिका के सामने सख्ती से उठाया था। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारतीय नाविकों की जान को खतरे में डालने वाले ऐसे हमले पूरी तरह अस्वीकार्य हैं और वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की थी।

10 जून को एमटी सेत्तेबेल्लो नामक जहाज पर अमेरिकी नौसेना ने हमला किया था। इस जहाज पर कुल 24 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि 3 की मौत हो गई। मृतकों की पहचान हिमाचल प्रदेश के रहने वाले आदित्य शर्मा (23), विशाखापट्टनम के पन्नाला सुरेश (44) और उत्तर प्रदेश के रहने वाले शिवानंद चौरसिया (38) के रूप में हुई है।

घटना के बाद संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) समेत कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने अमेरिकी कार्रवाई की आलोचना की है। आईएमओ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शिपिंग और समुद्र में काम करने वाले लोगों की सुरक्षा का हर हाल में सम्मान होना चाहिए। संगठन के महासचिव आर्सेनियो डोमिंग्वेज ने कहा कि ऐसी किसी भी कार्रवाई की कड़ी निंदा की जानी चाहिए जिससे नाविकों की जान को खतरा हो।

अमेरिका ने इस हफ्ते ओमान की खाड़ी में ऐसे 3 जहाजों पर हमला किया है, जिसके चालक दल में भारतीय थे। पहला हमला 8 जून को एमटी मैरीवेक्स पर हुआ था। इस पर 24 भारतीय थे, जिनमें से सभी को बचा लिया गया था। दूसरा हमला 10 जून को एमटी सेत्तेबेल्लो पर हुआ। इसमें 3 भारतीय मारे गए। तीसरा हमला 11 जून को एमटी जलवीर नामक जहाज पर हुआ।

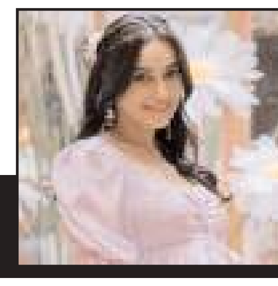

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस सुरभि ज्योति के फैंस के लिए एक बहुत बड़ी खुशखबरी है। सुरभि ज्योति मां बन गई हैं। उनके और पति सुमित सूरी के घर एक प्यारी सी नन्ही परी का आगमन हुआ है। सुरभि पिछले काफी समय से अपने प्रेग्नेंसी पीरियड को एन्जॉय कर रही थीं और लगातार खूबसूरत फोटोशूट्स के जरिए फैंस के साथ जुड़ी हुई थीं।

जाह्नवी कपूर की हॉरर फिल्म के लिए तैयारी, इस निर्देशक संग बातचीत जारी

जाह्नवी कपूर इस वक्त राम चरण की फिल्म पेड्डी से लोगों का ध्यान खींच रही हैं। इस फिल्म में उन्होंने अचियम्मा नाम की एक गांव की लड़की का किरदार निभाया है। यह देवरा (2024) के बाद साउथ में उनकी दूसरी फिल्म है। ताजा जानकारी है कि जाह्नवी अपनी अगली फिल्म के लिए तैयारी शुरू कर चुकी हैं। वह एक हाई-कॉन्सेप्ट हॉरर फिल्म के लिए बातचीत कर रही हैं, जिसका निर्देशन तुम्बाड वाले राही अनिल बर्वे करेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस हॉरर फिल्म के लिए जाह्नवी और निर्माताओं के बीच बातचीत अंतिम चरण में हैं। सूत्र ने कहा, जाह्नवी कपूर फिलहाल अपनी अगली फिल्म के लिए स्क्रिप्ट पढ़ रही हैं और संभावित परियोजनाओं पर चर्चा कर रही हैं। उन्होंने राही अनिल बर्वे द्वारा निर्देशित हॉरर फिल्म में गहरी दिलचस्पी दिखाई है। तैयारियों का काम पहले ही शुरू हो चुका है और निर्माता इस साल के अंत तक प्रोडक्शन शुरू करने की उम्मीद कर रहे हैं।

सूत्र ने आगे कहा, जाह्नवी के लिए यह एक बिलकुल नया किरदार है और इसके लिए व्यापक तैयारी की जरूरत है। वह जल्द अनुबंध पर हस्ताक्षर करेंगी। फिल्म का निर्माण बड़े पैमाने पर निर्मित क्रिएचर हॉरर के रूप में चल रहा है। इसे जियो स्टूडियोज का समर्थन प्राप्त होगा। शूटिंग इस साल के अंत में शुरू हो सकती है। जाह्नवी लग जा गले में नजर आएंगी, जिसमें टाइगर श्रॉफ और लक्ष्य भी हैं। यह 14 मई, 2027 को रिलीज होगी।

पेद्दी के आगे है जवानी तो इश्क होना है भी मचा रही बवाल, 6ठे दिन दुनियाभर में 50 करोड़ के हुई पार

वरुण धवन, पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर की फ़िल्म है जवानी तो इश्क होना है 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस फिल्म से वरुण धवन और उनके पिता डेविड धवन ने चौथी बार साथ काम किया है. इस फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों से मिक्स्ड रिव्यू मिला है. इसी के साथ ये बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार परफॉर्म तो नहीं कर रही है फिर भी ये ठीक-ठाक कमाई कर पा रही है और धीरे-धीरे नए मुकाम हासिल कर रही है. चलिए यहां है जवानी तो इश्क होना है के छठे दिन का कलेक्शन जानते हैं.

धमाल 4 के ट्रेलर लॉन्च के लिए बनाई गई ये योजना, पहली बार दिखेगा ऐसा नजारा

अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित फिल्म धमाल 4 के पोस्टर और रिलीज तारीख का खुलासा हो गया है। हाल ही में ऐलान किया गया कि इसका ट्रेलर आज 12 जून को आधिकारिक तौर पर रिलीज किया जाएगा। ताजा जानकारी है कि निर्माता ट्रेलर को एक भव्य कार्यक्रम के तहत लॉन्च करेंगे जिसके लिए बड़ी तैयारी चल रही है। रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई के बाहरी इलाके में स्थित पार्क इमैजिका में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, एक सूत्र ने बताया, धमाल 4 एक खास फिल्म है और इसलिए, निर्माताओं को यह स्पष्ट था कि ट्रेलर लॉन्च का अनुभव भी अनोखा होना चाहिए।

अभिनेत्री नियति फातनानी का खुलासा, खतरों के खिलाड़ी के प्रोमो के बाद हुई थी ट्रोलिंग

अभिनेत्री नियति फातनानी ने कहा है कि रियलिटी शो के दौर में कई बार मशहूर हस्तियों की बातों को संदर्भ से अलग करके देखा और परखा जाता है। फातनानी ने खतरों के खिलाड़ी के दौरान अपने अनुभव का जिक्र करते हुए बताया कि एक प्रोमो जारी होने के बाद उन्हें काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। हालांकि, पूरा एपिसोड प्रसारित होने के बाद लोगों को वास्तविक स्थिति समझ में आई और उन्होंने उनका समर्थन किया। फातनानी ने अपने अनुभव का उदाहरण देते हुए कहा, खतरों के खिलाड़ी के दौरान जब एक प्रोमो रिलीज हुआ था, तब मुझे प्रशंसकों की ओर से काफी आलोचना झेलनी पड़ी। हालांकि, जो लोग मुझे जानते थे, उन्हें पूरा भरोसा था कि मैं कभी कुछ गलत नहीं करूंगी। एपिसोड प्रसारित होने के बाद सभी को सच्चाई पता चल गई और उन्होंने मेरा समर्थन किया। दरअसल, उस व्यक्ति को शो से बाहर कर दिया गया था।

अभिनेत्री ने कहा, प्रशंसक अपने पसंदीदा कलाकारों के प्रति बेहद भावुक होते हैं और यह एक सेलिब्रिटी होने का स्वाभाविक हिस्सा है।

सोशल मीडिया के दौर में प्रतिभा और दृश्यता में कौन अधिक महत्वपूर्ण है, इस सवाल पर फातनानी ने कहा कि दोनों पूरी तरह अलग-अलग चीजें हैं। उन्होंने कहा, अगर कोई कलाकार प्रतिभाशाली है और अच्छा प्रदर्शन कर सकता है, तो निर्देशक और निर्माता उसे भूमिका के लिए चुनेंगे। दूसरी ओर, व्यावसायिक नजरिए से यदि किसी परियोजना को दृश्यता से फायदा मिलता है, तो प्रभावशाली सोशल मीडिया हस्तियों को भी कास्ट किया जा सकता है। सोशल मीडिया आज मनोरंजन उद्योग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते को छिपाने का दबाव महसूस किया है, तो उन्होंने इससे इनकार किया।

पेद्दी बॉक्स ऑफिस- पहले हफ्ते 350 करोड़ के करीब पहुंची राम चरण की फिल्म, 8वें दिन का जानें हाल

राम चरण स्टारर स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म पेद्दी ने अपनी रिलीज का एक हफ्ता पूरा कर लिया है. पेद्दी की कमाई में उतार-चढ़ाव आ रहे हैं, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा से ज्यादा कमाई करने की कोशिश में लगी हुई है. राम चरण के फैंस के लिए पेद्दी की किसी पार्टी ट्रीट से कम नहीं हैं और वे फिल्म को खूब प्यार दे रहे हैं. फिल्म वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है और अब 350 करोड़ रुपये से कुछ ही कदम दूर हैं. पेद्दी ओवरसीज में भी अपना दबदबा कायम करने में लगी है. बुची बाबू सना और राम चरण की फिल्म ने एक हफ्ते में कितना कलेक्शन किया है और सातवें व आठवें दिन फिल्म की कमाई कहां तक पहुंची है, चलिए जानते हैं. फिल्म इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क की मानें तो पेद्दी ने 7वें दिन 7.55 करोड़ रुपये की कमाई की, जबकि फिल्म ने छठे दिन 9.70 करोड़ रुपये कमाए थे. सातवें दिन पेद्दी ने तेलुगु में 0.31 करोड़ रुपये, तमिल में 0.01 करोड़ रुपये और हिंदी में 0.06 करोड़ रुपये कमाए. इससे पेद्दी का नेट घरेलू बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 187.63 करोड़ रुपये और ग्रॉस 222.98 करोड़ रुपये हो गया है. बता दें, मेकर्स ने फिल्म पेद्दी की ऑफिशियल कमाई का आंकड़ा शेयर कर दिया है, जिसमें फिल्म ने 7 दिनों में वर्ल्डवाइड 345 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है. आरआरआर (1200 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाई) के बाद पेद्दी राम चरण की दूसरी सबसे कमाऊ फिल्म बन गई है. आईएमडीबी के अनुसार, आरआरआर ने वर्ल्डवाइड 1291.2 करोड़ रुपये की कमाई की है. रंगस्थलम (220.8 करोड़ रुपये), गेम चेंजर (215.8 करोड़ रुपये), मगधीरा (146.8 करोड़ रुपये)

वेलकम टू द जंगल का ट्रेलर जारी, भारत की पहली 2000 करोड़ी फेक फिल्म में होगा फुल धमाल, गांववालों को बचाने निकली अक्षय की आर्मी

वेलकम टू द जंगल का ट्रेलर वाईआरएफ स्टूडियो में एक बड़े इवेंट में लॉन्च किया गया. यह फिल्म वेलकम फ्रैंचाइजी की तीसरी किस्त है. यह अपनी बड़ी स्टार कास्ट की वजह से पहले ही चर्चा में है. अब, ट्रेलर के बारे में नई जानकारी ने अक्षय कुमार की इस कॉमेडी फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ा दिया है.

अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर वेलकम टू द जंगल का ट्रेलर अपलोड किया और कैप्शन में लिखा, टेंशन दूर, जंगल का पागलपन शुरू. आपकी सारी चिंताएं दूर करने के लिए आ गया है जबरदस्त स्ट्रेस-बस्टर वेलकम टू द जंगल का ट्रेलर. वेलकम टू द जंगल ङ्क सिनेमाघरों में हंगामा शुरू होगा 26 जून से. वेलकम टू द जंगल का ट्रेलर 4 मिनट 10 सेकंड का है, जिसमें कॉमेडी, अफरातफरी और कन्फ्यूजन का एक जबरदस्त मिक्स देखने को मिला है. इसकी शुरुआत इंडिया की फर्स्ट 2000 करोड़ी फेक फिल्म से होती है. इसके बाद फिल्म की पूरी कास्ट के अनोखे इंट्रोडक्शन सॉन्ग से होती है. इसके बाद परेश रावल अक्षय कुमार के किरदार से परिचय कराते हैं. अक्षय पहले टॉप के हीरो होते है, लेकिन बाद में वह फ्लॉप के हीरो बन जाते हैं.

ट्रेलर में पता चलता है कि वेलकम के मशहूर किरदार उदय और मजनू के भाई भी है, जिसका किरदार सुनील शेट्टी और अरशद वारसी निभाते हैं. एक फिल्म बनाने के लिए अक्षय कुमार और सारी टीम एक छत के नीचे आते हैं.इसमें वेलकम फिल्म के मशहूर मजनू भाई वाले सीन की झलक भी दिखाई गई है, जिसे अनिल कपूर ने निभाया था और जो फैंस का पसंदीदा पल था- वो था- मजनू भाई की पेटिंग. इसके बाद परेश वाले बताते हैं कि वे एक फिल्म बना रहे हैं, जो आर्मी पर आधारित है. इसके लिए सभी ट्रेनिंग दी जाती है. इस बीच लारा दत्ता चाबुक चलाती दिखती हैं. ट्रेलर में एक गांव दिखाया जाता है, जहां के लोग गांव को आजाद कराने के लिए आर्मी का इंतजार करते हैं. फिल्म की शूटिंग उनके गांव में होता है. गांव वालों को लगता है कि असली आर्मी उनके गांव को आजाद कराने आई है. इसके बाद जैकी श्रॉफ की एंट्री होती है, जो विलेन का किरदार निभाते हैं. वह अपने डाकूओं के साथ गांव में घुसते हैं और गोलीबारी करते हैं. इस दौरान अक्षय कुमार और उनकी पूरी स्टार कास्ट को उनके सामने गिड़गिड़ाते हुए नजर आता है. अक्षय कुमार इस ट्रेलर के अहम हिस्सा है. लंबे समय बाद अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी का एक साथ आना भी ट्रेलर की सबसे चर्चित बातों में से एक है. तीनों एक्टर्स अपनी पुरानी वाली केमिस्ट्री को फिर से दिखा रहे हैं, जिससे हेरा फेरी में उनकी मशहूर तिकड़ी की यादें ताजा हो गई है. इस फिल्म में कई बड़े कलाकार हैं. अक्षय कुमार के साथ सुनील शेट्टी, परेश रावल, अरशद वारसी, रवीना टंडन, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीस, लारा दत्ता, जैकी श्रॉफ, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा और दलेर मेहंदी जैसे कई कलाकार शामिल हैं.

टमाटर से बनाए जा सकते हैं ये 5 स्वादिष्ट व्यंजन, जानिए रेसिपी

टमाटर एक ऐसी सब्जी है, जो न केवल सलाद में बल्कि कई स्वादिष्ट व्यंजनों में भी इस्तेमाल की जा सकती है। टमाटर में विटामिन-सी, पोटेशियम और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद हैं। आइए आज हम आपको टमाटर से बनाए जाने वाले कुछ ऐसे व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जो खाने में बेहद स्वादिष्ट और पौष्टिक हैं। इन व्यंजनों को बनाना भी आसान है और ये आपके खाने का मजा बढ़ा सकते हैं।

टमाटर का हलवा

टमाटर का हलवा एक खास और स्वादिष्ट मिठाई है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले टमाटर को उबालकर उसका पेस्ट बना लें, फिर घी में सूजी भूनें और उसमें टमाटर का पेस्ट मिलाएं। इसके बाद इसमें चीनी, इलायची पाउडर और सूखे मेवे डालकर पकाएं। यह हलवा न केवल स्वादिष्ट है बल्कि पोषण से भरपूर भी है। इसे आप किसी खास मौके पर बना सकते हैं या किसी भी समय मिठाई के रूप में परोस सकते हैं।

टमाटर का पुलाव

टमाटर का पुलाव एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है जब आप कुछ नया आजमाना चाहते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले बासमती चावल को धोकर भिगो दें, फिर तेल या घी में जीरा, तेजपत्ता, दालचीनी डालकर भूनें। अब कटे हुए प्याज डालें और सुनहरा होने तक भूनें, फिर कटे हुए टमाटर डालकर पकाएं जब तक वे नरम हो जाएं। इसके बाद भिगोए हुए चावल डालकर पानी मिलाएं और धीमी आंच पर पकने दें।

टमाटर का रायता

गर्मियों में ठंडा-ठंडा रायता कौन नहीं पसंद करता? टमाटर का रायता बनाने के लिए सबसे पहले दही को अच्छे से फेंट लें, फिर इसमें कदूकस किया हुआ टमाटर, काला नमक, भुना जीरा पाउडर और हरी मिर्च डालकर मिलाएं। इसे ठंडा-ठंडा परोसें। यह रायता खाने में बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक है। इसे आप किसी भी मुख्य भोजन के साथ परोस सकते हैं। यह रायता न केवल आपके खाने को ताजगी देता है बल्कि आपके पेट को भी शांत रखता है।

टमाटर की कढ़ी

पंजाबी कढ़ी तो आपने कई बार खाई होगी, लेकिन क्या आपने कभी टमाटर की कढ़ी चखी है? अगर नहीं तो आज ही आजमाएं। इसके लिए बेसन के घोल में मसाले मिलाकर छोटे-छोटे पकौड़े बना लें, फिर पानी उबालकर उसमें हल्दी, नमक, लाल मिर्च मिलाकर पकाएं। अब इन पकौड़ों को इसमें डालकर पकाएं। दूसरी तरफ टमाटर की ग्रेवी बनाने के लिए टमाटर, प्याज, अदरक-लहसुन का पेस्ट बनाकर मिलाएं। अंत में दोनों को मिलाकर परोसें।

टमाटर की चटनी

दाल-चावल या परांठे किसी भी व्यंजन के साथ परोसने लायक यह चटनी बहुत ही आसान तरीके से बनाई जा सकती है। इसके लिए सबसे पहले टमाटर, प्याज, लहसुन, हरी मिर्च, धनिया पत्तियां और नींबू रस मिलाकर पीस लें। अब इस मिश्रण को कटोरे में निकालकर उसमें नमक, जीरा पाउडर और थोड़ा-सा तेल डालें। आपका स्वादिष्ट टमाटर की चटनी तैयार है। इसे आप अपने खाने में शामिल कर सकते हैं।

बालों के झड़ने का कारण बन सकती हैं ये 5 गलतियां, इनसे बचें

बालों के झड़ने की समस्या से हर कोई परेशान है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिनमें बालों की देखभाल से जुड़ी गलतियां शामिल हैं। अक्सर लोग अपने बालों की देखभाल करते समय कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनसे बालों की जड़ें कमजोर हो जाती हैं और बाल झड़ने लगते हैं। आइए आज हम आपको बालों की देखभाल से जुड़ी ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जो बालों के झड़ने का कारण बन सकती हैं।

रोजाना शैंपू करने की गलती

अगर आप उन लोगों में से हैं, जो रोजाना अपने सिर पर शैंपू करते हैं तो यह बालों की देखभाल से जुड़ी सबसे बड़ी गलती है। रोजाना शैंपू करने से सिर का प्राकृतिक तेल खत्म हो जाता है, जिससे बालों की जड़ें कमजोर होने लगती हैं और बाल टूटने लगते हैं। बेहतर होगा कि आप हफ्ते में 2-3 बार ही अपने सिर पर शैंपू करें। इससे बालों की सेहत बनी रहती है और वे मजबूत बनते हैं।

गीले बालों पर कंघी करने की आदत

गीले बालों पर कंघी करना भी बालों के झड़ने का एक कारण हो सकता है। दरअसल, गीले बाल कमजोर होते हैं और उन पर ज्यादा दबाव पड़ने से वे टूट सकते हैं। इसलिए गीले बालों पर कंघी करने से बचना चाहिए। इसके बजाय आप गीले बालों को सूखे तौलिये से हल्के हाथों से थपथपा सकते हैं। इसके बाद जब बाल थोड़े सूख जाएं तब ही कंघी करें, इससे बाल टूटने की संभावना कम हो जाएगी।

कंडीशनर का गलत तरीके से इस्तेमाल करना

बालों की देखभाल के लिए कंडीशनर का इस्तेमाल करना जरूरी है, लेकिन इसे गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर बालों को नुकसान भी पहुंच सकता है। कई लोग पूरे सिर पर कंडीशनर लगा लेते हैं, जबकि इसे सिर्फ बालों की लंबाई पर लगाना चाहिए। इसके अलावा सिर की जड़ों पर कंडीशनर लगाने से सिर की त्वचा चिपचिपी हो जाती है, जिससे बाल झड़ने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसी गलतियों से बचकर बालों को स्वस्थ रखा जा सकता है। गर्म पानी से सिर धोना-गर्म पानी से सिर धोना भी एक बड़ी गलती है। गर्म पानी बालों की नमी को छीन लेता है और उन्हें रूखा बना देता है, जिससे बाल टूटने लगते हैं। इसलिए हमेशा अपने सिर को धोने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। इसके अलावा ठंडे पानी से अंतिम धोने से बालों में चमक आती है और वे स्वस्थ दिखते हैं। इस तरह आप अपने बालों को स्वस्थ रख सकते हैं और उनकी चमक बरकरार रह सकती है। गर्म पानी से सिर धोना-गर्म पानी से सिर धोना भी एक बड़ी गलती है। गर्म पानी बालों की नमी को छीन लेता है और उन्हें रूखा बना देता है, जिससे बाल टूटने लगते हैं। इसलिए हमेशा अपने सिर को धोने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। इसके अलावा ठंडे पानी से अंतिम धोने से बालों में चमक आती है और वे स्वस्थ दिखते हैं।

शब्द सामर्थ्य -067

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. मृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती हैं, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नजदीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सवेरा।

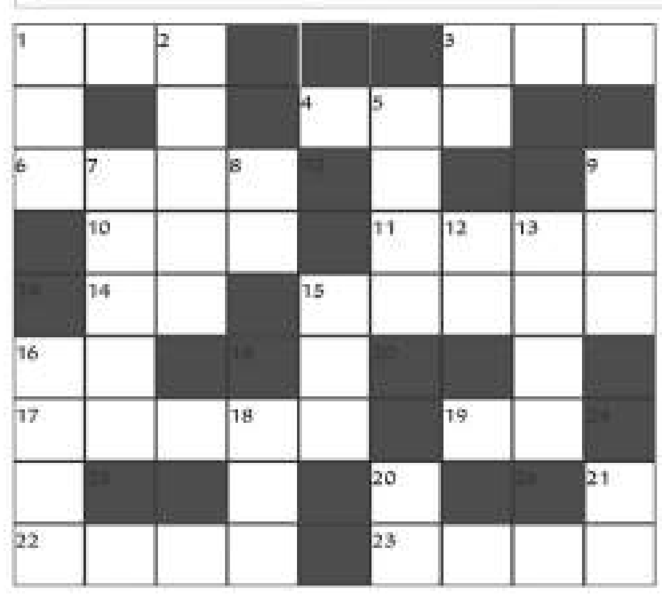

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 066 का हल

अ	भि	षे	क		प	स		
जा	त		थ	प	थ	पा	ना	
य	र	का	नी		भ्र		र	श्मि
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		र्व		ब
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना हनुमानताल में रात मारपीट में घायल को उपचार हेतु विधान मल्टी स्पेशलिस्ट अस्पताल लाये जाने की सूचना पर पहुँची पुलिस को मोहम्मद रजा मंसूरी उम्र 36 वर्ष निवासी ढलगर मोहल्ला घोड़ा नक्काश ने बताया कि उसकी भवरताल गार्डन में फ्रेर व्हीलर गाड़ी सुधारने की दुकान है दिनांक 1376-26 की रात लगभग 11-30 बजे अपने साथी रहीश के साथ घरर के पास जोबट किराना के सामने हनुमानताल मे खड़ा था तभी हारून आकर उससे शराब पीने के लिये 500 रूपये मांनगे लगा,

गौरव शिखर सम्मान 2026 का आयोजन 1 जुलाई को

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मप्र विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय दादा ईश्वर दास रोहाणी की पुण्य स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में इस वर्ष राज्यस्तरीय गौरव शिखर सम्मान 2026 का आयोजन आगामी 1 जुलाई 2026 को मानस भवन में किया जाएगा। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रबुद्ध जनों को प्रस्तावित सम्मान सनातन ज्ञान गौरव शिखर सम्मान आचार्य/वैदिक विद्वान ब्राह्मण क्षेत्र से। कर्मयोगी गौरव शिखर सम्मान समाज सेवा से। नारी शक्ति गौरव शिखर सम्मान महिला सशक्तिकरण से। संस्कार गौरव शिखर सम्मान संस्कृति/कुटुंब प्रबोधन से। दादा ईश्वरदास रोहाणी स्मृति युवा प्रेरणा सम्मान युवाओं को प्रेरित करने हेतु। ज्ञान ज्योति गौरव शिखर सम्मान शिक्षा क्षेत्र से। उद्योग गौरव शिखर सम्मान उद्योग एवं उद्यमिता से।

संजीवनी गौरव शिखर सम्मान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य से।

कलम वीर गौरव शिखर सम्मान पत्रकारिता से। वीरता गौरव शिखर सम्मान सेवानिवृत्त अधिकारी से। न्याय सेवा गौरव शिखर सम्मान विधि क्षेत्र से।

अमृत गौरव शिखर सम्मान लाइफ टाइम अचीवमेंट से दिया जायेगा। आयोजन समिति की बैठक मध्य प्रदेश शासन के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू', हाईकोर्ट के पूर्व न्यायमूर्ति एच.पी. सिंह, विधायक अशोक रोहाणी, जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण अध्यक्ष श्री राजकुमार पटेल, रविंद्र बाजपेई, अजय ग्रोवर, संदीप विजन, रजनी जैन, पंकज गोयल, रोहित दुबे, सदानंद गोडबोले, स्वाति गोडबोले, तनुश्री सिंह, तारु खत्री, पीतांबर टोपनानी, राजा नागदेव सहित बड़ी संख्या में आयोजन समिति के सदस्य बैठक में शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक अशोक रोहाणी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह एक अत्यंत गरिमामय एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम होगा, जिसे सभी के सहयोग से सफल बनाया जाएगा तथा भविष्य में इसे प्रतिवर्ष आयोजित करने का प्रस्ताव है।

स्वतंत्रता संग्राम परिवार प्रकोष्ठ की बैठक गांधी भवन टाउन हॉल में सम्पन्न शीघ्र नगर कार्यकारिणी की भोपाल से नियुक्ति की घोषणा होगी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।/ गांधी भवन टाउन हॉल में आजादी के बाद से स्वतंत्रता संग्राम सेनानीयों का उत्तराधिकारी का वाचनालय कार्यालय उस पर एक अधिकार बंद करने का कब्जा है उस की घोर निन्दा की और शीघ्र ही वंशज उत्तराधिकारी अपने पूर्वजों की इतिहासिक धरोहर की रक्षा की लिये आगे कदम उठाएंगे और शीघ्र कार्यालय खुलेगा बैठक में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष राजेन्द्र रज्जू सराफ, जिला ग्रामीण अध्यक्ष नारायण शर्मा जिला प्रभारी केशव प्रसाद चौरसिया,एड. प्रकश गौलछा, अनिल गुप्ता, सौरभ राजनेकर संजू सिंह ठाकुर, योगेन्द्र मालवीय, पं आशीष प्यास,निर्मल जैन, आशीष जैन, ओमप्रकाश शर्मा, चुन्नी लाल नीखरा??, प्रीति चौधरी, श्रीमती आशा मालवीय, अशोक यादव, श्याम सोलंकी, विष्णु विनोदिया, विनय जैन, ओमप्रकाश जयसवाल, मदन मोहन राय, अलकेश गुप्ता, पवन सोनी, वी हनुमंत राव, राजेश नामदेव, अरुण राजनेकर, गणेश प्रसाद केशवानी, कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज नामदेव ने की बैठक में विंदू वार? निर्णय लिया गया अगमी रूप रेखा तैयार की गई शीघ्र ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अजय नारायण सितलानी? जी को भोपाल मुख्यालय को जबलपुर से स्वतंत्रता सेनानी वंशजों उत्तराधिकारी की नगर कार्यकारिणी एवं जिला कार्यकारिणी के आये हुए दस्तावेजो की सूची भेजकर शीघ्र घोषणा कराई जायेगी प्रति माह होने वाले राष्ट्र गीत एवं राष्ट्रीय गायन? का आयोजन 1 जुलाई को पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी की प्रतिमा स्थल सिविक सेंटर मढ़ाताल में प्रात: 10 बजे आयोजन होगा बैठक का संचालन नगर संगठन मंत्री पवन सोनी ने किया।

गिरजा घर में सेंट एंथोनी का महा पर्व मनाया गया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पेन्टीनाका स्थित सेंट पीटर एंड पॉल महा गिरजा घर मैं सेंट अन्टोनी का महापर्व संपन्न हुआ। महापर्व का आरंभ नोविना एवं झंडा चढ़ाने की विधि के साथ गत 4 जून से आरंभ हुआ था। नौ दिनों की नोविना प्रार्थना के साथ रविवार को आदर से झंडा उतारा गया। इस अवसर पर पवित्र मिस्सा राईट रेवरेन्ट डॉ वल्लन अरसू, प्रेम एवेंम फादर डेविस जॉर्ज, जॉन सुरेंद्र कुमरे की उपस्थिति मे हुआ।

कोटा-नागदा-कोटा मेमू ट्रेन का चौमहला स्टेशन तक शॉर्ट टर्मिनेट

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा और सुनिश्चित परिचालन के लिए गाड़ी संख्या 61616/61615 कोटा-नागदा-कोटा मेमू ट्रेन को शॉर्ट टर्मिनेट किया जा रहा है। दिनांक 15.06.2026 से अगले आदेश तक यह ट्रेन कोटा और नागदा के बीच न चलकर, कोटा और चौमहला स्टेशन के बीच ही संचालित की जाएगी। चौमहला से नागदा के बीच इस ट्रेन की सेवाएँ आंशिक रूप से समाप्त रहेंगी। कोटा-चौमहला-कोटा मेमू ट्रेन ~ गाड़ी संख्या 61616 कोटा से चौमहल मेमू ट्रेन प्रतिदिन कोटा से सुबह 07~05 बजे प्रस्थान कर उसी दिन 10~25 बजे चौमहला स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 61615 चौमहला से कोटा मेमू ट्रेन प्रतिदिन चौहमला से 10~45 बजे प्रस्थान कर उसी दिन दोपहर 14~00 बजे कोटा स्टेशन पहुंचेगी। रेल यात्रि संशोधित ट्रेन की विस्तृत जानकारी रेलवे स्टेशन पूछताछ, रेल मदद 139 एवं रेलवे वेबसाइट एनटीईएस ऑनलाइन से भी प्राप्त कर सकते हैं।

भोजशाला प्रकरण के याचिका कर्ता डॉ. एच.पी.तिवारी सम्मानित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश के धार जिले के ऐतिहासिक भोजशाला बनाम कमाल मौला मस्जिद प्रकरण के याचिका कर्ता के रूप लंबी कानूनी लड़ाई लड़कर माननीय उच्च न्यायालय के माध्यम से भोजशाला में 721 सालों से जारी नमाज में रोक लगवाकर और सम्पूर्ण भोजशाला परिसर में हिंदुओं का आधिपत्य स्थापित करवाकर हिंदुत्व के संरक्षण संवर्धन में विशिष्ट योगदान देने वाले सनातनी योद्धा डॉ .एच. पी.तिवारी को विश्व संभ्रांत समाज द्वारा सम्मानित किया गया। संस्था के संरक्षक डॉ. अनिल गौर की अध्यक्षता, कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. आनंद ज्योति पाठक , उपाध्यक्ष राम सुन्दर मिश्रा,राष्ट्रीय प्रचार सचिव एड. शिवम सिंह राजपूत और शिक्षा सलाहकार डॉ. श्रद्धा तिवारी की विशेष उपस्थिति में आयोजित सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में संस्था सदस्य और धर्मप्रेमी उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ आनंद ज्योति पाठक और अन्य अतिथियों ने मां भगवती का विशेष चित्र अंकित अंग वस्त्र,शाल,श्रीफल और मां वाग्देवी का चित्र समर्पित कर डॉक्टर तिवारी को अभिनंदित किया।

डॉ. अनिल गौर ने डॉ . एच. पी. तिवारी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी धर्मनिष्ठा की सराहना की। डॉ. आनंद ज्योति पाठक ने डॉक्टर तिवारी को सच्चा सनातनी योद्धा निरूपित करते हुए उनके हिन्दू धर्म स्थल मुक्ति अभियान में समस्त सनातनी बंधुओं से सहभागिता का आह्वान किया। डॉ.एच.पी.तिवारी ने भोजशाला विजय को सनातन धर्म,संस्कृति और परम्पराओं की जीत बताया।

शास्त्रीय नृत्य में समाहित है योग' नृत्यंजली कला अकादमी का आयोजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नृत्यांजलि कला अकादमी के तत्वावधान में नृत्य एवं योग के संगम का नृत्यमय और योगमय कार्यक्रम का आयोजन आज कला वीथिका संग्रहालय में भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ।समारोह की संयोजक नृत्य निदेशक एवं नृत्य गुरु कामना नायक ने कहा कि शास्त्रीय नृत्य में अध्यात्म निहित है।नृत्य आराधना है, नृत्य पूजा है।नृत्य की साधना करने से वुद्धि का विकास होता है। योग गुरु पंखुरी तनेजा ने नृत्य की विभिन्न मुद्राओं को बताते हुए उसमें समाहित योग की व्याख्या की और योग सिखाया। राजेश पाठक प्रवीण ने कहा कि क्लासिकल नृत्य की भावभंगिमाएं और योग के विभिन्न आसनों के माध्यम से जीवन में संतुलन, और मन में स्थिरता आती है।इस अवसर पर अथर्व नायक के द्वारा डिजिटल आर्ट में बनाये गए देवताओं के नामों पर आधारित आसनों की प्रदर्शनी को सभी ने सराहा।नृत्य निदेशक अरुक्षा नायक ने नृत्य और योग के शास्त्रीय विधान पर जानकारी दी।समारोह के अतिथि शलभ नायक ने सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

26 वर्षों से राज्य बंटवारे की धारा 49 का दंश झेल रहे लाखों पेंशनर्स को समय पर महंगाई राहत मिलने की आस जगी - राकेश डी पी पाठक

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय डॉ मोहन यादव जी ने विगत दिवस एक कार्यक्रम में घोषणा की है कि राज्य के पेंशनर्स को अब महंगाई राहत, परिवार पेंशन राहत के लिए मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य बंटवारे की धारा 49 से मुक्ति मिलेगी अर्थात इसके कारण इंतजार नहीं करना होगा। राकेश डी पी पाठक ने कहा कि 26 वर्षों से लाखों पेंशनर्स इस धारा 49 का दंश झेल कर महंगाई राहत, परिवार पेंशन राहत में भेदभाव का सामना करते आ रहे हैं, उन्हें अब समय पर महंगाई राहत मिलने की आस जगी। राकेश पाठक ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि शीघ्र माननीय मुख्यमंत्री जी धारा 49 की पूर्णत: समाप्ति के आदेश जारी करा देंगे।? राकेश डी पी पाठक ने कहा कि मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी की इस घोषणा का हृदय से अभिनंदन और आभार व्यक्त करता है।

राकेश डी पी पाठक ने कहा कि फेडरेशन लम्बे समय से लगातार राज्य सरकार और ऊर्जा विभाग से अपील करते हुए आग्रह करता आ रहा है कि पेंशनरों को मंहगाई राहत नियमित कर्मियों के साथ ही एक समान रूप से देना चाहिए। नियमित कर्मचारियों के महंगाई भत्ता और पेंशनर्स को देए महंगाई राहत, परिवार पेंशन राहत में लम्बे समय से अंतर चला आ रहा है इसे खत्म करना चाहिए।बिजली कंपनियों में पेंशनर्स को पूर्व में मिल रही बिजली बिल में राहत सुविधा को पुन: प्रारंभ करना चाहिए।

राकेश डी पी पाठक ने कहा कि मध्यप्रदेश पुनर्गठन 2000 की धारा 49 (6) का विलोपन किया जाएं जिससे मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के लगभग नौ लाख पेंशनरों को राज्य कर्मचारियों को देय तिथि से ही मंहगाई राहत का लाभ मिल सकेगा। पाठक ने कहा कि राज्य के बटवारे की धारा 49(6)बर्ष 2000 के पूर्व सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों पर लागू होती है किन्तु शासन के कुछ तत्कालीन अधिकारियों के द्वारा इसकी गलत व्याख्या कर इसे 2000 के बाद सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों, पेंशनर्स पर भी लागू कर दी गई थी। इस कारण आज 26 वर्षों से पेंशनर्स लगातार परेशान हो रहे हैं। उनके साथ इस धारा के नाम से लम्बे समय से भेद-भाव हों रहा था।

महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी से आग्रह किया है कि मध्यप्रदेश शासन के ऊर्जा विभाग के आधीन सभी बिजली कंपनियों के पेंशनर्स की पेंशन की सुरक्षा की गारंटी राज्य सरकार द्वारा ली जाना चाहिए।

ग्रीष्मकालीन जिला स्तरीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण समापन, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जबलपुर ,मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी , जबलपुर ताइक्कांडो यूनियन एवं क्रीड़ा केन्द्र मदनमहल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन जिला स्तरीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता का भव्य एवं उत्साहपूर्ण समापन रॉक फोर्ड फाउंडेशन स्कूल, महानद्दा, मदन महल, जबलपुर में संपन्न हुआ। पूरे दिन चले रोमांचक मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार तकनीक, अनुशासन एवं खेल भावना का परिचय देते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सूर्यकांत शर्मा ,अनंत डिके क्षेत्र संयोजक क्रीड़ा भारती,प्रकाश विस्फुटे कोष प्रमुख महाकौशल क्रीड़ा भारती,विवेक रंजन शुक्ला संपर्क प्रमुख महानगर क्रीड़ा भारती,शिवांगी पचौरी मातृशक्ति प्रमुख महाकौशल प्रांत प्रीति त्रिपाठी दिव्यांग प्रमुख महाकौशल प्रांत ,तियाशा जैनिट वार्नर,नीरज दुबे, प्रकाश यादव ,आनंद श्रीवास्तव वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे। अतिथि आगमन पर मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी के संस्थापक एवं अंतरराष्ट्रीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षक राजकुमार यादव, जिला ताइक्कांडो यूनियन के महासचिव एडवोकेट जयराज चौधरी, प्रदेश सचिव शशांक सिंह ठाकुर तथा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मानवराज यादव द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि श्री सूर्यकांत शर्मा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि ताइक्कांडो केवल एक खेल नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन, साहस और आत्मरक्षा का सशक्त माध्यम है। वर्तमान समय में प्रत्येक बालक एवं बालिका को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहिए। खेल युवाओं को नशे एवं सामाजिक बुराइयों से दूर रखकर सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर राजकुमार यादव ने कहा कि ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर एवं प्रतियोगिता का उद्देश्य खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान कर उनकी प्रतिभा को निखारना है।

हितग्राहियों को मिलेगा योजनाओं का लाभ

जनपद पंचायत मुख्यालयों पर तीन दिवसीय जनकल्याण शिविरों का आयोजन 15 से

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।- मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशा के अनुरूप राज्य एवं केंद्र शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने तथा आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने सोमवार 15 जून से जिले के सभी सात जनपद पंचायत मुख्यालय जबलपुर, कुंडम, मझौली, पनागर, पाटन, शहपुरा एवं सिहोरा में तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर आयोजित किये जायेंगे। ये शिविर 17 जून के महाराणा प्रताप जयंती के अवकाश को छोड़कर 15 से 18 जून तक जारी रहेंगे।

जनकल्याण शिविरों में केन्द्र एवं राज्य शासन की प्रमुख हितग्राहीमूलक योजनाओं के पात्र किन्तु वंचित हितग्राहियों की पहचान विभागीय मैदानी अमले के सहयोग से कर उनका पंजीयन, स्वीकृति एवं लाभ वितरण की कार्यवाही की जायेगी। साथ ही विभिन्न विभागों की हितग्राहीमूलक योजनाओं के साथ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयों के लिये भी हितग्राहियों के आवेदन प्राप्त कर उनका पंजीयन एवं निराकरण सुनिश्चित किया जायेगा।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने सभी विभागों के जिला अधिकारियों को जनपद पंचायत मुख्यालयों में आयोजित किये जा रहे जन कल्याण शिविरों में उपस्थित रहने तथा विभागीय योजनाओं, सेवाओं, शिकायतों एवं लंबित प्रकरणों का परीक्षण कर यथासंभव मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इनका लाभ उठा सकें।

धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (डीएनएलयू) तृतीय दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।- धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (डीएनएलयू), जबलपुर का तृतीय दीक्षांत समारोह रविवार, 14 जून, 2026 को पीडीपीएम आईआईआईटीडीएम परिसर, जबलपुर में आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के माननीय कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश, माननीय श्री न्यायमूर्ति विवेक रुसिया ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विज़िटर एवं मुख्य अतिथि माननीय श्री न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार माहेश्वरी, न्यायाधीश, उच्चतम न्यायालय; माननीय श्री न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा एवं माननीय श्री न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, न्यायाधीशगण, उच्चतम न्यायालय; तथा माननीय श्री न्यायमूर्ति राजेंद्र मेनन, अध्यक्ष, सशस्त्र बल अभिकरण उपस्थित रहे।

दीक्षांत भाषण देते हुए मुख्य अतिथि माननीय श्री न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार माहेश्वरी, जो विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह से ही इसके विज़िटर रहे हैं, ने संस्थान की निरंतर प्रगति का स्मरण किया और स्नातकों का ध्यान उनके समक्ष प्रतीक्षारत जीवन की ओर आकृष्ट किया। यह प्रश्न उठाते हुए कि क्या विधि का जीवन 'अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित करने योग्य' है, महामहिम ने न्यायपीठ पर चार दशकों से अधिक के अनुभव के विश्वास के साथ उत्तर दिया कि बहुत कम ही व्यवसाय सामान्य हाथों में इतनी शक्ति देते हैं जिससे इतना भला किया जा सके। उन्होंने स्नातकों से 'संवैधानिक कल्पनाशीलता' विकसित करने का आग्रह किया, अर्थात् वे किसी भी विवाद के कोलाहल के पीछे उस मौन व्यक्ति को देखें जिसके अधिकारों की रक्षा हेतु संविधान लिखा गया था, और स्मरण कराया कि किसी संविधान की परीक्षा इस बात से नहीं होती कि वह शक्तिशाली और बहुसंख्यक के साथ कैसा व्यवहार करता है, बल्कि इस बात से होती है कि वह अलोकप्रिय, शक्तिहीन और अल्पसंख्यक के साथ कैसा व्यवहार करता है। उन्होंने शक्ति के स्थान पर तर्क को न्यायालय की वास्तविक पूँजी बताया, ईमानदार असहमति की गरिमा तथा बिना द्वेष के मतभेद की बात की, और स्मरण कराया कि विधि, अपनी समस्त महत्ता के बावजूद, सीमाओं से युक्त है और बुद्धिमत्ता उन सीमाओं को जानने में निहित है।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी पनागर विपिन बिहारी सिंह ने बताया कि विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि एनएच 30 हाईवे पर कटनी तरफसे नीले रंग की बिना नम्बर की कार में एक व्यक्ति अधिक मात्रा में शराब लेकर जबलपुर तरफआ रहा है। सूचना पर मुखबिर के बताये अनुसार एन एच 30 हरिओम ढाबा के पास दबिश दी गई कुछ समय बाद मुखबिर के बताये अनुसार नीले रंग की कार तेजी से जाती दिखी जिसका पीछा मझौली वायपास के पास रोका गया कार चालक वापस कटनी तरफकार घुमाने लगा जिसे घेराबंदी कर रोका गया

रोंगटे खड़े कर देने वाला हादसा; कार को आधा किमी घसीटता रहा डंपर

आग लगने से दो लोग जिंदा जले

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। बरेला थाना क्षेत्र के अंतर्गत शारदा मंदिर के पास रोंगटे खड़े कर देने वाला हादसा सामने आया है। एक तेज रफ्तार डंपर ने कार को जोरदार टक्कर मारने के बाद करीब आधा किलोमीटर तक सड़क पर घसीटा। इस बर्बर घसीटने के कारण कार में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे कार सवार दो लोगों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला और वे जिंदा जल गए। इस दर्दनाक हादसे में दो परिवारों के चिराग बुझ गए।

डंपर के नीचे फंसी रही कार, टक्कर के बाद भड़की आग

प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, दुर्घटना इतनी भयावह थी कि टक्कर के बाद कार सीधे डंपर के अगले हिस्से के नीचे जा फंसी। इसके बावजूद डंपर चालक ने संवेदनहीनता और लापरवाही की सारी हदें पार करते हुए गाड़ी नहीं रोकी। वह कार को तकरीबन 500 मीटर तक बेरहमी से घसीटता हुआ ले गया। इसी दौरान घिसटती हुई कार आगे खड़े एक अन्य वाहन से टकरा गई। इस दोहरी टक्कर और घर्षण के कारण कार में अचानक भीषण आग भड़क उठी।

देखते ही देखते आग की लपटों ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत हिम्मत दिखाई और आग बुझाने के साथ ही कार में फंसे लोगों को शीशे तोड़कर बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी विकराल थी कि कोई भी कार के नजदीक नहीं जा सका और दोनों सवार भीतर ही जिंदा जल गए।

दमकल की टीम ने बुझाई आग, चालक पर केस दर्ज

घटना की भयावहता को देख राहगीरों ने तुरंत बरेला थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचित किया। सूचना मिलते ही पुलिस बल और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। भारी मशक्कत के बाद जब कार में लगी आग पर काबू पाया गया, तब तक कार पूरी तरह लोहे के कंकाल में बदल चुकी थी। पुलिस ने मलबे से दोनों मृतकों के झुलसे हुए शव बरामद किए। शवों की स्थिति इतनी खराब थी कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा था। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भिजवा दिया है। बरेला पुलिस ने फरार डंपर चालक के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। इस भीषण हादसे ने एक बार फिर जबलपुर की सड़कों पर भारी वाहनों की बेलगाम रफ्तार और चालकों की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्रिकेट खेलकर लौट रहे किशोर का गला रेता

रांझी में किशोर पर चाकू से जानलेवा हमला, पड़ोस में रहने वाले नाबालिग ने ही मारा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रांझी थाना क्षेत्र के गंगा मैया इलाके में क्रिकेट खेलकर घर लौट रहे एक नाबालिग पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी अब भी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

जानकारी के अनुसार शनिवार रात पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हुई थी। विवाद बढ़ने पर एक नाबालिग ने 16 वर्षीय किशोर पर चाकू से हमला कर दिया। आरोपी ने किशोर के गले पर वार किया और उसकी पीठ पर भी कई हमले किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद घायल किशोर को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल उसका इलाज जारी है और उसकी हालत पर डॉक्टरों की निगरानी बनी हुई है। वारदात के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। सूचना मिलते ही रांझी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने मामले में एक नाबालिग आरोपी को हिरासत में ले लिया है, जबकि मुख्य आरोपी की तलाश जारी है।

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि नाबालिग आरोपियों के पास चाकू कैसे पहुंचा और घटना के पीछे की वास्तविक वजह क्या थी। अधिकारियों का कहना है कि फरार आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि नाबालिगों के हाथों में धारदार हथियार कैसे पहुंच रहे हैं और छोटी-छोटी बातों पर हिंसक घटनाएं क्यों बढ़ रही हैं। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

प्लॉट का सौदा कर बिल्डर ने हड़पे 42 लाख रुपए

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। बिनैकी स्थित एक जमीन का सौदा कर कई लोगों से 42 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने वाले बिल्डर के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। रकम लेने के बाद भी जब बिल्डर ने रजिस्ट्री नहीं की, तो पीड़ितों ने पुलिस अधिकारियों से इसकी शिकायत की थी। जांच के बाद शनिवार को आरोपी बिल्डर के खिलाफ विजय नगर थाने में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया। माढ़ोताल की आकाश विहार कॉलोनी में रहने वाली 43 वर्षीय शारदा तिवारी ने पुलिस को बताया कि उन्होंने बिनैकी स्थित पीकॉक सिटी में 1600 वर्ग फीट के दो प्लॉट खरीदने के लिए मिलौनीगंज निवासी बिल्डर शरद मोर से 20 अप्रैल 2025 को एक एग्रीमेंट किया था। भूखंड का कुल सौदा 19 लाख 20 हजार रुपए में तय हुआ था, जिसके एवज में उन्होंने एडवांस के तौर पर 15 लाख रुपए दे दिए थे। अनुबंध के अनुसार बाकी बचे 4 लाख 20 हजार रुपए रजिस्ट्री होने पर देने थे। इसके बाद जब भी रजिस्ट्री करने की बात कही जाती, तो आरोपी शरद मोर रकम लौटाने या रजिस्ट्री करने का आश्वासन देता रहा, लेकिन उसने न तो प्लॉट की रजिस्ट्री की और न ही पैसे वापस किए।पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी बिल्डर शरद मोर ने इसी तरह कई अन्य लोगों को भी अपनी ठगी का शिकार बनाया है। उसने छोटा फुहारा निवासी किरण केशरवानी, फूटाताल निवासी मनोज कुमार तिवारी और बजरंग नगर निवासी मनीष परसाई से भी प्लॉट के नाम पर मोटी रकम ऐंठी थी। इन सभी लोगों को मिलाकर बिल्डर ने कुल 42 लाख रुपए की धोखाधड़ी की है।

घोड़ा नक्काश में चले चाकू, युवक को लहूलुहान कर भागा बदमाश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। हनुमानताल थाना क्षेत्र स्थित ढलगर मोहल्ला घोड़ा नक्काश में शनिवार देर रात शराब के लिए 500 रुपए की रंगदारी न देने पर कार मैकेनिक मोहम्मद रजा मंसूरी ;36 वर्षद्ध पर बदमाश हारून ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। भवरताल गार्डन के पास गैरेज चलाने वाले मोहम्मद रजा रात करीब 11रू30 बजे अपने साथी रहीश के साथ जोबट किराना दुकान के सामने खड़े थेए तभी हारून ने आकर गाली.गलौज करते हुए पैसों की मांग की। मना करने पर आरोपी ने चाकू निकालकर मोहम्मद रजा की बाईं जांघ पर ताबड़तोड़ वार कर दिए और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकला। गंभीर रूप से घायल मैकेनिक को विधान मल्टी स्पेशलिस्ट अस्पताल में भर्ती कराया गया हैए जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने आरोपी हारून के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। ढलगर मोहल्ला निवासी मोहम्मद रजा मंसूरी भवरताल गार्डन के पास चार पहिया वाहन सुधारने का काम करते हैं। शनिवार की रात वह अपने काम से लौटकर घर के पास ही अपने दोस्त रहीश के साथ खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान इलाके का शातिर बदमाश हारून वहां आ धमका।

हारून आते ही मोहम्मद रजा के साथ विवाद करने लगा और शराब पीने का खर्च उठाने के लिए 500 रुपए मांगने लगा। जब मैकेनिक ने अपनी मेहनत की कमाई में से रंगदारी की रकम देने का विरोध कियाए तो आरोपी हारून गुस्से से पागल हो गया। उसने बिना कुछ सोचे.समझे अपनी कमर में छिपाकर रखा धारदार चाकू निकाला और मोहम्मद रजा पर हमला कर दिया। चाकू सीधे मैकेनिक के पैर में लगाए जिससे काफी खून बहने लगा और वह जमीन पर गिर गए। सड़क पर चीख.पुकार मचने और मोहम्मद रजा को तड़पता देख आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े। लोगों को इकट्ठा होते देख आरोपी हारून पीड़ित को दोबारा दिखने पर जान से खत्म करने की धमकी देता हुआ अंधेरे का फायदा उठाकर वहां से भाग निकला। घायल मैकेनिक को उनके साथी और स्थानीय निवासियों ने तुरंत निजी अस्पताल पहुंचायाए जहां डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए है। घटना की जानकारी मिलते ही हनुमानताल थाना पुलिस की टीम अस्पताल और वारदात वाली जगह पहुंची। पुलिस ने घायल के बयान दर्ज करने के बाद आरोपी हारून के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता ;ठछैद्ध की धारा 296;बीद्धए 119;1द्ध और 351;3द्ध के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

केन्द्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने किया रानी दुर्गावती फ्लाई ओवर का निरीक्षण

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रानी दुर्गावती प्रगति पथ यात्रा में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद जी के साथ लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, सांसद श्री आशीष दुबे, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकी, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अखिलेश जैन, जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर, जिला प्रभारी श्री आलोक संजर, महापौर श्री जगतबहादुर सिंह, विधायक श्री अशोक रोहाणी, श्री अभिलाष पांडे जेडीए अध्यक्ष श्री संदीप जैन फ्लाई ओवर ब्रिज पर पथ यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कहा मप्र का सबसे बड़ा 7 किलोमीटर लंबा यह आधुनिक फ्लाई ओवर ब्रिज जबलपुर के विकास, सुगम यातायात एवं आधुनिक अधोसंरचना का प्रतीक है, जो विकसित भारत के संकल्प को और अधिक सशक्त करता है। जबलपुर प्रवास के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद जी ने रिटायर्ड न्यायमूर्ति श्री डी.एम. धर्माधिकारी जी के निवास पर प्रबुद्धजन सम्पर्क अभियान के अंतर्गत वरिष्ठ प्रबुद्धजनों से भेंट कर विभिन्न समसामयिक विषयों पर सार्थक संवाद किया इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के साथ सभी जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री ने जनप्रतिनिधियों से की भेंट

केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री जितिन प्रसाद ने अपने प्रवास के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से भेंट की, केंद्रीय मंत्री विधायक अशोक रोहाणी एवं अभिलाष पांडे के निवास पर भेंट करने पहुंचे।

एक ही वाहन में यात्रा करते दिखे समस्त जनप्रतिनिधि

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आवाहन पर सभी जनप्रतिनिधि ईंधन बचाने हेतु प्रतिबद्ध दिखे, डुमना एयरपोर्ट से ही केंद्रीय राज्यमंत्री श्री जितिन प्रसाद समस्त जनप्रतिनिधियों के साथ एक ही वाहन में जबलपुर में विभिन्न स्थानों गए अपने पूरे प्रवास में न्यूनतम वाहनों का उपयोग किया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण एवं स्वच्छता कार्यक्रम में की सहभागिता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत आज दादा ईश्वरदास रोहाणी वार्ड की प्रियदर्शिनी कॉलोनी में आयोजित पौधारोपण एवं स्वच्छता कार्यक्रम में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद एवं प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह शामिल हुए। इस अवसर पर अतिथियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा स्वच्छता गतिविधियों में सहभागिता कर स्वच्छ एवं हरित भारत के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

निशान साहिब के साथ शहीदी दिवस का हुआ आगाज

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। गुरुद्वारा गुरुनानक दरबार गोरखपुर में श्री गुरुग्रंथ साहिब जी के सृजक, पंचम पातशाह श्री गुरुअर्जनदेव जी के पवित्र शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में साध संगत श्रद्धा भक्ति और आस्था के साथ कारसेवा द्वारा बसंती निशान साहिब लहराकर पांच दिवसीय कार्यक्रमों का आगाज किया। श्रीमती कुलवन्त कौर सलूजा परिवार ने चोला साहिब अर्पण करने का सुयश प्राप्त किया और अमरजीत सिंह बेदी, गुरमीत सिंह अहलुवालिया, अमृतपाल सिंह चौपड़ा, एड अवतार सिंह, दलजीत सिंह बसूर, देविंदर कौर सोबती, हरदीप सिंह परमार एवं अमरीक सिंह विरदी आदि परिवारों द्वारा श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के श्रृंखलाबद्ध अखण्डपाठ रखवाये गए । इस मौके पर मुख्य ग्रंथी ज्ञानी हरजीत सिंह खालसा एवं रागी जत्था भाई बलजीत सिंह एवं साजिंदे साथियों ने गुरुवाणी शबद कीर्तन, अरदास एवं मुख वाक् आदेश श्रवण करवाया। प्रधानसाहब रजिंदर सिंह छावड़ा ने आभार व्यक्त किया और मनप्रीत सिंह आहूजा मिक्की ने संचालन किया । सिख समाज के मीडिया प्रभारी प्रदीप सिंह भोगल ने बताया कि मुख्य आयोजन 18 जून को गोरखपुर में होगा । इसके पूर्व 17 जून की रात्रि 7 बजे से अर्धरात्रि 11.30 बजे तक प्रथम कीर्तन दरबार लगेगा । इसमें श्री दरबार साहिब अमृतसर स्वर्णमंदिर पंजाब केमशहूर हुजूरी रागी जत्था भाई जरनैलसिंह, कोहारका एवं गुरुवाणी मीमांसक ज्ञानी मनदीप सिंह संगरूर सहित अनेक विद्वतजन शिरकत करेंगे। शहीदी दिवस के तहत संस्कारधानी जबलपुर सहित देश विदेश के समस्त गुरुद्वारों में मात्रशक्ति द्वारा गुरु अर्जन देव जी द्वारा रचित एवं श्री गुरु ग्रंथ साहिब में शामिल पवित्र गुरुवाणी श्रीसुखमणीसाहिब का 40 दिवसीय पाठ प्रतिदिन किया जा रहा है।

कव्वाली की रूहानी महफिल के साथ हुआ उर्स का समापन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। उपरैनगंज स्थित मौलाना की गली, कोतवाली बाजार में हज़रत सैय्यद चाँद शाह वली रहमतुल्लाह अलैह के सालाना उर्स का समापन सूफ़ियाना कव्वाली महफिल के साथ हुआ। दरगाह कमेटी के तत्वावधान में आयोजित कव्वाली महफिल में कव्वाल हलीम ताज ने अपने सूफ़ियाना कलाम, मनकबतों और नातिया पेशकशों से समां बांध दिया। देर रात तक चली महफिल में जब उन्होंने दमादम हुसैन, या अली मौला हुसैन तथा हिंदी कलाम तो नाम जपूं अली-अली का पेश किया तो उपस्थित अकीदतमंद झूम उठे और भरपूर नज़राना पेश किया। उर्स का आयोजन बाबा मेराज अहमद जमाली की सरपरस्ती में संपन्न हुआ। अलसुबह रंग की महफिल और कुल शरीफ के साथ उर्स का विधिवत समापन हुआ। इस अवसर पर बब्बी कुरैशी, तारिक खान बिल्लू, आसिफ अख्तर, सैय्यद हैदर अली सहित सैकड़ों अकीदतमंद मौजूद रहे।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 224/ 2026/27 दिनांक 10.06.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती प्रियंका नाग, पति श्री सुभाष कुमार नाग** ने भूखंड क्रं. 46 आयुषी धरा पिन क्र. 1004454560 का भाग **वार्ड क्र. 03, वार्ड- त्रिपुरी वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री मनोहर दास नानवानी/ जयराम दास, एवं श्रीमती भूमि नानवानी, पति- मनोहर दास नानवानी, क्षेत्रफल भूमि 1004 व.फु., **विक्रयपत्र** , के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 225/ 2026/27 दिनांक 10.06.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री हिमांक कोष्टा, पिता स्व. श्री रामचरण कोष्टा** ने भवन क्रं. 1275 पिन क्र. 44901224/ 200598760 **वार्ड क्र. 01, वार्ड- गढ़ा वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार)स्व. श्री रामचरण कोष्टा, पिता स्व. श्री दौलतराम कोष्टा, भूतल 520 व.फु. आर.सी.सी. , प्रथमतल 315 व.फु. आर.सी.सी. , **शपथपत्र, सहमति शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र** , के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 222/ 2026/27 दिनांक 10.06.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती कीर्ति छीपा, पति- गोपाल दास छीपा** ने भवन क्रं. एम.आई.जी. 173 पिन क्र. 1000499387 **वार्ड क्र. 16, वार्ड- महाराणा प्रताप वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार)श्रीमती मालती मिश्रा, पति- आर.पी. मिश्रा, भूतल 1000 व.फु. आर.सी.सी. , प्रथमतल 1000 व.फु. आर.सी.सी. , **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 223/ 2026/27 दिनांक 10.06.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री सौरभ विश्वकर्मा, पिता- रमेश विश्वकर्मा** ने भवन क्रं. 2-बी-पी-8 पिन क्र. 1004444153 **वार्ड क्र. 05, वार्ड- सरदार बल्लभ भाई पटेल वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार)श्री ललित कुमार चौहान, पिता- राम कुमार चौहान, भूमि क्षेत्रफल 330 व.फु., भूतल जी.एफ.160 व.फु. आर.सी.सी. , **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 220/ 2026/27 दिनांक 10.06.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री शुभम विश्वकर्मा, पिता- रमेश विश्वकर्मा** ने भवन क्रं. पी-9 ई.डब्ल्यू.एस. पिन क्र. 9000018643 **वार्ड क्र. 05, वार्ड- सरदार बल्लभ भाई पटेल वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्रीमती गीता चौहान, पति श्री राम कुमार, भूमि क्षेत्रफल 300 व.फु., भूतल 160 व.फु. आर.सी.सी. , 170 व.फु. टी.एस., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 221/ 2026/27 दिनांक 10.06.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **का. श्रीमती देवकुमारी शर्मा, पति श्री श्याम शर्मा** ने भवन क्रं. 700/सी, पिन क्र. 1004460121 **वार्ड क्र. 03, वार्ड- त्रिपुरी वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) का. श्रीमती रूकमणी विदेही, पति- दिनेश, भूतल 450 व.फु. आर.सी.सी. , **अपंजीकृत विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से माँ रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, तथा 68/1, लक्ष्मीपुर विवेकानन्द वार्ड, मुश्कान प्लाजा के पीछे, एम.आर.-4 रोड, उखरी जबलपुर म.प्र. से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 सांठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। भोपाल मो.नं. 7879652007, जबलपुर मो.नं.9300696096